राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 अहमदाबाद में होगा आईपीएल का फाइनल | सम्पादकीय जंग के मैदान पर मसलों का हल.. | बुमराह कप्तानी डिजर्व करते हैं- अश्विन 5

वर्ष 12 अंक 76 E-mail: dholpur@hotmail.com जयपुर, बुधवार 14 मई 2025 ई-पेपर के लिए लॉगऑन करें -www.hindustanexpress.online मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

पाकिस्तान में ऐसा कोई ठिकाना नहीं जहां आतंकी चैन से रह सकें, घर में घुसकर मारेंगे - पीएम मोदी

आर.एन.एस

आदमपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार सुबह पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचे। यहां उन्होंने एयरफोर्स के जवानों से मुलाकात की। इसके बाद जवानों को 28 मिनट संबोधित भी किया।

मोदी ने कहा, भारत में निर्दोष लोगों का खून बहाने का एक ही अंजाम होगा- विनाश और महाविनाश। जिस पाकिस्तानी सेना के भरोसे ये आतंकी बैठे थे, भारत की सेना, एयरफोर्स और नेवी ने उस पाकिस्तानी सेना को भी धूल चटा दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में ऐसा कोई ठिकाना नहीं है, जहां बैठकर आतंकवादी चैन की सांस ले सकें। हम घर में घुसकर मारेंगे और बचने का एक मौका तक नहीं देंगे। हमारे ड्रोन्स, मिसाइलों के बारे में सोचकर पाकिस्तान को कई दिन तक नींद नहीं आएगी। पाकिस्तान की गुहार के बाद भारत ने सिर्फ अपनी सैन्य कार्रवाई को स्थगित किया है। अगर पाकिस्तान ने फिर से आतंकी गतिविधि या सैन्य दुस्साहस दिखाया तो हम उसका मुंह तोड़ जवाब देंगे। यह जवाब अपनी शर्तों पर, अपने तरीके से होगा। इस निर्णय की आधारशिला, इसके पीछे छिपा विश्वास, आपका धैर्य, शौर्य, साहस और सजगता है।

आपका हौसला, ये जुनून, ये जज्बा ऐसे ही बरकरार रखना है। हमें लगातार मुस्तैद रहना है। हमें तैयार रहना है। हमें दुश्मन को याद दिलाते रहना है कि ये नया भारत है, ये शांति चाहता है, लेकिन मानवता पर हमला होता है तो भारत युद्ध के मोर्चे पर दुश्मन को मिट्टी में मिलाना भी अच्छी तरह जानता है। आज हमारे पास नई टेक्नोलॉजी का सामर्थ्य है, जिसका पाकिस्तान सामना नहीं कर सकता है। एयरफोर्स सहित सभी सेनाओं के पास दुनिया की श्रेष्ठ तकनीक पहुंची है, नई टेक्नोलॉजी के साथ चुनौतियां भी उतनी बड़ी होती हैं। कॉम्प्लिकेटेड और सोफेस्टिकेटेड सिस्टम को मेंटेन करना और एफिशिएंसी के साथ चलाना स्किल है। आपने सिद्ध कर दिया है कि आप इस गेम में दुनिया में बेहतरीन हैं। भारत की वायुसेना सिर्फ हथियारों से ही नहीं, डेटा और ड्रोन से भी दुश्मन को छकाने में माहिर हो गई है।

मजबूत सुरक्षा कवच भारत की पहचान

पीएम मोदी ने कहा कि यह अब भारतीय सेनाओं के मजबूत स्वरूप की पहचान है। ऑपरेशन सिंदूर में मैन पावर के साथ ही मशीन का कोऑर्डिनेशन भी अद्भुत रहा है। भारत के पारंपरिक एयर डिफेंस सिस्टम, आकाश जैसे मेड इन इंडिया प्लेटफॉर्म, एस-400 जैसे आधुनिक डिफेंस सिस्टम ने अभूतपूर्व मजबूती दी है। एक मजबूत सुरक्षा कवच भारत की पहचान बन चुका है। पाकिस्तान की लाख कोशिश के बाद भी हमारे एयरबेस हों या डिफेंस इन्फ्रास्ट्रक्चर, उन पर आंच तक नहीं आई। इसका श्रेय आप सभी को जाता है। पाकिस्तान के ड्रोन, उसके यूएवी, एयरक्राफ्ट, मिसाइलें हमारे सशक्त एयर डिफेंस के सामने ढेर हो गए। मैं देश के सभी एयरबेस से जुड़ी लीडरशिप, एयर वॉरियर की हृदय से सराहना करता हूं। आपने वाकई बहुत शानदार काम किया है। उन्होंने कहा कि आतंक के विरुद्ध भारत की लक्ष्मण रेखा एकदम स्पष्ट है कि अब टेरर अटैक हुआ तो भारत देगा और पक्का जवाब देगा। सर्जिकल स्ट्राइक में देखा, एयरस्ट्राइक में देखा और अब ऑपरेशन सिंदूर भारत का न्यू नॉर्मल है। भारत ने अब तीन सूत्र तय कर दिए है।

जम्मू-कश्मीर पर तीसरे पक्ष का दखल मंजूर नहीं - विदेश मंत्रालय

कहा - भारत-पाकिस्तान आपस में सुलझाएंगे

आर.एन.एस

नई दिल्ली। भारत ने मंगलवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर तीसरे पक्ष का दखल मंजूर नहीं है। इस मुद्दे को भारत-पाकिस्तान आपस में सुलाएंगे। यह बात विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कही। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को पीओके खाली करना होगा। सभी मामले द्विपक्षीय तरीके से ही हल होंगे। दरअसल, भारत के इस जवाब को जम्मू-कश्मीर विवाद को सुलझाने के मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान से जोड़कर देखा जा रहा है। ट्रम्प ने 11 मई को कहा था, %मैं दोनों के साथ मिलकर यह देखने की कोशिश करूंगा कि क्या कश्मीर मुद्दे का कोई हल निकाला जा सकता है।% 10 मई को ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर भारत-पाक के बीच सीजफायर होने की जानकारी दी थी। विदेश विभाग के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा- जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर तीसरे पक्ष की दखलंदाजी मंजूर नहीं है। इस मुद्दे को भारत-पाकिस्तान आपस में सुलाएंगे। इसमें कोई बदलाव नहीं है। लंबित मामला सिर्फ पीओके पर कब्जा करने का है। इसी पर ही बात होगी। ट्रम्प ने कहा था- ट्रम्प ने 11 मई को कहा था, मैं दोनों के साथ मिलकर यह देखने की कोशिश करूंगा कि क्या हजार साल बाद कश्मीर मुद्दे का कोई हल निकाला जा सकता है। जायसवाल ने कहा, 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से लेकर 10 मई को गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद करने पर सहमति बनने तक, भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच उभरते सैन्य हालात पर बातचीत होती रही। किसी भी चर्चा में व्यापार का मुद्दा नहीं उठा। ट्रम्प ने 12 मई को दावा किया था कि उन्होंने दोनों देशों के नेताओं से कहा कि अगर वे युद्धविराम पर सहमत होते हैं तो अमेरिका उन्हें व्यापार में मदद करेगा। अगर नहीं मानते हैं तो उनके साथ कोई व्यापार नहीं होगा। इसके बाद दोनों देश सीजफायर पर सहमत हो गए थे।

पाकिस्तान आतंक का एपीसेंटर

रणधीर जायसवाल ने कहा कि पहलगाम में भारतीय टूरिस्ट विक्टिम हैं। पाकिस्तान आतंक का एपीसेंटर है। दुनियाभर के नेताओं ने माना कि भारत को अपनी सुरक्षा का हक है। यूएन सिक्योरिटी काउंसिल ने 25 अप्रैल कहा था- आतंक को मदद देने वाले जिम्मेदारों पर एक्शन होना चाहिए। हमारी लीडरशिप ने कहा है कि सीमा पार आतंकवाद बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित कराने की कोशिश करेंगे

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, पिछले दो साल से हम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और प्रतिबंध समिति को बता रहे हैं कि क्यों आतंकवादी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट जो लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा है, को आतंकवादी संगठन घोषित किया जाना चाहिए। हम इस बारे में कुछ दिनों में और अधिक जानकारी देंगे। उम्मीद है कि यूएनएससीआर 1267 निगरानी टीम हमारी बातें सुनेगी और उसके अनुसार उचित कार्रवाई करेगी।

ट्रंप ने सीजफायर और कश्मीर की ठेकेदारी कैसे ली - अशोक गहलोत

कहा - शिमला समझौते के अनुसार कश्मीर पर यूएन तक पंचायती नहीं कर सकता

आर.एन.एस

जयपुर। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने पाकिस्तान के साथ सीजफायर से पहले अमेरिकी हस्तक्षेप को लेकर केंद्र सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी पर सवाल उठाए हैं। अशोक गहलोत दिल्ली में एआईसीसी ऑफिस में मीडिया से बात कर रहे थे। गहलोत ने कहा- अचानक सीजफायर करके सरकार मोरल अथॉरिटी खो चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैसे सीजफायर की घोषणा की, सरकार की सलाह से या खुद की, इस पर जवाब देना चाहिए।

ट्रंप ने कौनसी ठेकेदारी ले रखी है? वह खुद ही ठेकेदार बन गए या हमारी सरकार की चुप्पी उनके हौसले बढ़ाती है। ट्रंप किस आधार पर कह रहे हैं कि रात भर हमारे लोगों ने मेहनत की है। इस मेहनत में कौन-कौन भागीदार थे, यह बात देश के सामने स्पष्ट होनी चाहिए।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा-ट्रंप कहते हैं, कश्मीर मसले का निर्णय मैं कर सकता हूं। जबकि 1971 के युद्ध के बाद इंदिरा गांधी और जुल्फिकार अली भुट्टो के बीच लिखित शिमला समझौता हुआ था कि यूएन तक पंचायती नहीं करेगा। ट्रंप कह रहे हैं कि कश्मीर का मुद्दा हल करवा दूंगा, पता नहीं वह किसके पक्ष में फैसला कर देंगे? यह जो बार-बार मैं देख रहा हूं। ट्रंप ने हिंदुस्तान-पाकिस्तान को बराबर खड़ा करके रख दिया। उनके ट्वीट आते हैं। कहां हिंदुस्तान, कहां पाकिस्तान? प्रधानमंत्री

कश्मीर को लेकर केवल भारत और पाकिस्तान के बीच ही बातचीत होगी।

ट्रंप की बातें खतरनाक, प्रधानमंत्री को उनका जवाब देना चाहिए

पूर्व सीएम ने कहा- कश्मीर को लेकर ट्रंप जिस तरह की बात करने लगे, वह बहुत खतरनाक है। मिस्टर देश को संबोधित करने वाले थे, उससे पहले ट्रंप ने ट्वीट कर दिया कि दोनों देशों को हमने कहा व्यापार करना है तो युद्ध बंद करना पड़ेगा। यह तमाम बातें हो रही है। इसका जवाब प्रधानमंत्री ने नहीं दिया, यह मेरी उनसे शिकायत है।

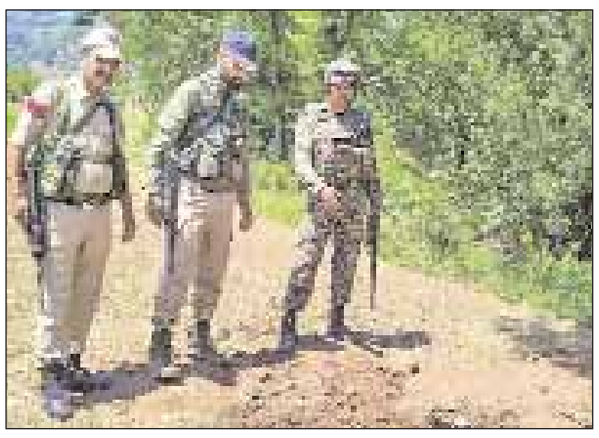

जम्मू-कश्मीर में सेना ने लश्कर के तीन आतंकी किये ढेर

आर.एन.एस

शोपियां। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में मंगलवार को लश्कर-ए-तैयबा के 3 आतंकी मारे गए। शाम 4.30 बजे मुठभेड़ खत्म हुई। इसे ऑपरेशन केलर नाम दिया गया था। शुकरू के जंगली इलाकों में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। महाराष्ट्र साइबर सेल ने बताया कि पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानी और बांग्लादेशी हैकरों ने भारत में 15 लाख साइबर अटैक किए। इनमें से सिर्फ 150 ही कामयाब रहे। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सुबह पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचे। उन्होंने एयरबेस पर जवानों से मुलाकात की। पाकिस्तान ने दावा किया था कि उसने आदमपुर एयरबेस को निशाना बनाया है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब और राजस्थान में सोमवार रात ड्रोन दिखे थे। कुछ देर बाद सेना ने कहा कि दुश्मन के किसी ड्रोन की सूचना नहीं है। आज सभी स्थानों पर स्थिति सामान्य है। 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत के बाद पाकिस्तानी गोलाबारी में आर्मी के 6 और वायुसेना के 2 जवान शहीद हो चुके हैं, 59 घायल हैं। इसके अलावा 28 सिविलियंस की भी जान गई है।

मप्र : भाजपा के मंत्री का कर्नल सोफिया पर आपत्तिजनक बयान

कहा - जिन्होंने बहनों का सिंदूर उजाड़ा, उन्हीं की बहन को भेजकर ऐसी-तैसी कराई

आर.एन.एस

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री विजय शाह ने भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक बयान दिया है। उन्होंने कहा- जिन लोगों ने हमारी बेटियों का सिंदूर उजाड़ा था, मोदी जी ने उन्हीं की बहन भेजकर उनकी ऐसी की तैसी करा दी। यह बयान शाह ने सोमवार को इंदौर के महू के रायकुंडा गांव में आयोजित हलमा कार्यक्रम में दिया था। इसका वीडियो मंगलवार को वायरल हुआ। इसमें वह ये भी कह रहे हैं कि मोदी समाज के लिए जी रहे हैं और समाज के लिए काम कर रहे हैं।

शाह ने यह भी कहा कि उन्होंने कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिंदुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी की तैसी करने उनके घर भेजा। अब मोदी जी कपड़े तो उतार नहीं सकते इसलिए उनकी समाज की बहन को भेजा कि तुमने हमारी बहनों को विधवा किया है तो तुम्हारे समाज की बहन आकर तुम्हें नंगा करके छोड़ेगी। देश का सम्मान और मान-सम्मान और हमारी बहनों के सुहाग का बदला तुम्हारी जाति, समाज की बहनों को पाकिस्तान भेजकर बदला ले सकते हैं। शाह बोले- मोदी जी ने कहा था कि घर में घुसकर मारूंगा। जमीन के अंदर द दूंगा। आतंकवादी तीन मंजिला घर में बैठे थे। बड़े बम से छत उड़ाई, फिर बीच की छत उड़ाई और अंदर जाकर उनके परिवार की ऐसी की तैसी कर दी। यह 56 इंच का सीना वाला ही कर सकता है।

कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि ये बेहूदा और साम्प्रदायिक बयान देने वाला व्यक्ति कोई सामान्य आदमी नहीं है बल्कि मध्य प्रदेश सरकार का मंत्री है। इसे कर्नल सोफिया कुरैशी, पहलगाम में निर्दोषों को मारने वाले आतंकवादियों की बहन लगती हैं। इस व्यक्ति ने देश की सेना का अपमान किया है, प्रधानमंत्री से अनुरोध है कि इस व्यक्ति को तुरंत मंत्री पद से हटायें और स्पष्टीकरण दें कि क्या इस व्यक्ति का बयान भारतीय जनता पार्टी का बयान है?

बठिंडा में पाकिस्तानी जासूस पकड़ा

आर.एन.एस

बठिंडा। पंजाब में बठिंडा आर्मी कैंट से पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। रकीब नाम का यह व्यक्ति उत्तराखंड के रुड़की का रहने वाला है। आर्मी कैंट के अंदर वह कपड़े सिलने का काम करता है। आर्मी कैंट के अधिकारियों को रकीब की गतिविधियों पर शक हुआ, जिसके बाद उन्होंने इसकी शिकायत बठिंडा पुलिस को दी। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। अमृतसर एयरपोर्ट से कल से फ्लाइट्स शुरू हो जाएंगी। वहीं कल से स्कूल भी खुल जाएंगे लेकिन उनकी टाइमिंग बदली गई है।

फिरोजपुर के ममदोट में आज सुबह पाकिस्तानी ड्रोन दिखा। इस पर वायुसेना के जवानों ने ड्रोन पर करीब 250 राउंड फायरिंग की। इसके बाद ड्रोन पाकिस्तान की तरफ लौट गया। वहीं, 9 मई को फिरोजपुर के खाई फेमे गांव में ड्रोन अटैक में घायल हुई महिला सुखविंदर कौर की लुधियाना के अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि, इसी हादसे में घायल हुए उनके पति लखविंदर सिंह और बेटे का अभी इलाज चल रहा है। सरकार ने परिवार को 5 लाख रुपए देने की घोषणा की है। इससे पहले सोमवार रात को होशियारपुर में ड्रोन देखे गए। हालांकि, आर्मी की टीम ने इन्हें हवा में ही गिरा दिया। इसके बाद होशियारपुर के दसूहा और मुकेरियां में ब्लैकआउट कर दिया गया। दोनों जगह 5 से 7 धमाके सुने गए। इसके अलावा जालंधर के मंड में एक ड्रोन मार गिराया।

पिता ने 3 बेटियों को जहर खिलाकर खुद खाया, चारों की मौत

भाई की शादी में आई थी तीन बेटियों की मां

आर.एन.एस

दमोह। दमोह में एक पिता ने अपनी 3 बेटियों को जहर खिलाकर खुद भी खा लिया। घटना में चारों की मौत हो गई। वह सुबह बेटियों को बाजार में समोसा खिलाने का कहकर ले गया था। पड़ोस के एक युवक ने उन्हें तालाब किनारे तड़पते देखा तो उनके घरवालों को सूचना दी। परिजन वहां पहुंचे तो चारों बेहोश मिले। गंभीर हालत में उन्हें हटा अस्पताल ले जाया गया। यहां पिता विनोद, बेटी महक (डेढ़ साल) और खुशी (5) की मौत हो गई। बड़ी बेटी खुशबू (7) को गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने से पहले उसने भी दम तोड़ दिया। घटना हटा ब्लॉक के मुहरई गांव में मंगलवार सुबह की है। परिवार हरियाणा से यहां शादी समारोह में आया हुआ था। फिलहाल घटना की वजह का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं।

बच्चियों के मामा सचेंद्र ने बताया कि बहन के ससुराल वालों से बात हुई है। उनका कहना है कि अंतिम संस्कार हरियाणा में ही होगा। इसलिए पोस्टमॉर्टम के बाद शवों को लेकर रवाना हो रहे हैं। ससुराल से कोई भी यहां नहीं आया है। उन्होंने शव लेकर हरियाणा बुलाया है।

तीन बेटियों की मां जूली अहिरवाल ने बताया कि वह हरियाणा के भिवानी जिले के बिडोला गांव में रहती है। वहां उसकी ससुराल है। 5 मई को भाई की शादी थी, इसलिए तीनों बेटियों के साथ 11अप्रैल को अपने मायके मुहरई गांव आए थे। मेरे पति 25 अप्रैल को आए थे। बारात के दिन उन्होंने शराब पीकर झगड़ा किया, इसलिए मैंने उन्हें बारात में नहीं जाने दिया। इसके बाद दो-तीन दिन उन्होंने और शराब पी। परिवार के लोगों के समझाने पर कुछ दिन वह ठीक रहे।

क्या करगिल की तरह पहलगाम हमले को लेकर स्वतंत्र आंकलन कराएगी सरकार- जयराम रमेश

आर.एन.एस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने करगिल युद्ध के बाद बनी एक समीक्षा समिति का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा कि क्या नरेन्द्र मोदी सरकार इसी तरह पहलगाम आतंकी हमले को लेकर भी स्वतंत्र और व्यापक विश्लेषण एवं आकलन कराएगी ? वर्ष 1999 में करगिल युद्ध के तत्काल बाद करगिल समीक्षा समिति का गठन हुआ था। इस समिति की रिपोर्ट आने के बाद सुरक्षा क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण सुधार तथा संस्थागत परिवर्तन किए गए थे।

जयराम रमेश ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'कारगिल युद्ध समाप्त होने के ठीक तीन दिन बाद वाजपेयी सरकार ने 29 जुलाई 1999 को कारगिल पुनरावलोकन समिति गठित की थी। इसकी रिपोर्ट 23 फरवरी 2000 को संसद में प्रस्तुत की गई थी, हालांकि इसके कुछ हिस्सों को अब भी गोपनीय रखा गया और ऐसा होना भी चाहिए। इस समिति के अध्यक्ष थे भारत के सामरिक मामलों के विशेषज्ञ के. सुब्रमण्यम, जिनके पुत्र वर्तमान में भारत के विदेश मंत्री हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'क्या मोदी सरकार अब पहलगाम हमले को लेकर एनआईए की जांच के बावजूद इसी तरह का एक स्वतंत्र और व्यापक विश्लेषण एवं आकलन कराएगी? वॉशिंगटन डीसी से आए बयानों के बाद कांग्रेस पार्टी की ओर से बार-बार की गई प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग और संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग, जिसे अब कम से कम ढाई महीने बाद होने की संभावना है, जबकि यह मांग अब और भी अधिक जरूरी और तात्कालिक हो गई है।'

सीबीएसई 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे घोषित

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने मंगलवार को कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षा के नतीजे जारी कर दिए। 12वीं में इस बार 88.39 प्रतिशत छात्र परीक्षा में पास हुए, जो पिछले साल से 0.41 प्रतिशत अधिक है।

इस साल सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा में 91 फीसदी लड़कियां पास हुई हैं, जो लड़कों से 5.94 फीसदी ज्यादा है। सीबीएसई ने एक प्रेस रिलीज जारी कर इस बात की जानकारी दी। सीबीएसई कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं 15 फरवरी से 4 अप्रैल तक सफलतापूर्वक चलीं, जबकि कक्षा 10वीं की परीक्षाएं 18 मार्च को संपन्न हुईं। सीबीएसई कक्षा 12वीं की परीक्षा में 16 लाख से अधिक छात्र शामिल हुए, जिनमें से 14 लाख से अधिक उत्तीर्ण हुए।

जैसलमेर में भी पाकिस्तानी सिम बैन

जैसलमेर। श्रीगंगानगर के बाद अब जैसलमेर में भी पाकिस्तानी लोकल सिम के उपयोग पर रोक लगा दी गई है। कलेक्टर प्रताप सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए इसका आदेश जारी किया है। इससे पहले श्रीगंगानगर में पाकिस्तानी सिम के उपयोग पर रोक लगाई गई थी। उधर, राजस्थान में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास मंगलवार को मिसाइलनुमा वस्तु मिली है। पुलिस ने इसे कब्जे में लेकर सेना को खबर दे दी है। उधर, एयरपोर्ट के ऑपरेशनल होने के बाद भी बीकानेर से न ही कोई फ्लाइट गई और न ही आई है। बीकानेर, किशनगढ़ (अजमेर) और जोधपुर के एयरपोर्ट शुरू हो चुके हैं। एयर इंडिया ने ट्रैवल एडवाइजरी करते हुए जोधपुर की फ्लाइट सर्विस को आज (13 मई) के लिए कैंसिल कर दिया था। इंडिगो की सुबह की फ्लाइट्स के कैंसिल होने की सूचना है।

जोधपुर, बीकानेर, बाड़मेर, जैसलमेर और श्रीगंगानगर में स्कूल-कॉलेज, यूनिवर्सिटी, आंगनबाड़ी केंद्र और कोचिंग सेंटर्स आज (मंगलवार) से खुल गए हैं। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे जैसलमेर प्रशासन ने शिक्षण संस्थानों को खोलने का आदेश जारी किया। सुबह से स्कूल-कोचिंग संचालकों में असमंजस की स्थिति थी।

आरयू पक्षियों के लिए परिंडे अभियान

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा एस.एस. जैन सुबोध कॉलेज, जयपुर के सहयोग से मंगलवार को पक्षियों हेतु जलपात्र (परिंडे) रखे गए । कार्यक्रम उद्घाटन प्रातः 11:30 बजे प्राणीशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. पी.सी. माली द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सुबोध कॉलेज के प्राचार्य एवं संकाय सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रो. पी.सी. माली ने ग्रीष्म ऋतु की तीव्र गर्मी में पक्षियों के लिए सुलभ जल स्रोतों की व्यवस्था के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि ऐसी सरल पहलों से पक्षियों के जीवन को संरक्षित किया जा सकता है। संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों की सक्रिय भागीदारी से दोनों परिसरों में दर्जनों मिट्टी के जलपात्र लगाए गए। यह संयुक्त प्रयास न केवल वन्यजीव संरक्षण के प्रति इन संस्थानों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि शहरी क्षेत्रों में सामुदायिक पर्यावरण संरक्षण का एक प्रेरणादायक उदाहरण भी प्रस्तुत करता है।

बोर्ड परीक्षा कक्षा 12 में सर्वोत्तम परिणाम

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपर। ग्रैंड सीकर रोड, राजावास स्थित, एन0के0 पब्लिक स्कूल का संपूर्ण परिसर आज खुशियों से सराबोर रहा। सीबीएसई बोर्ड 2024-25 के बोर्ड परीक्षा परिणाम में कक्षा 12 की अनामिका ने कला वर्ग से 99.40 प्रतिशत अंक अर्जित करते हुए राजनीति विज्ञान, पेंटिंग व इनफॉर्मेटिक्स प्रैक्टिसेज विषयों में 100 में से 100 अंक प्राप्त किये व विद्यालय रिजल्ट्स में टॉप किया।

अन्य विद्यार्थियों में अक्षिता भामू ने 98.20 प्रतिशत, विशेष ने 97.80 प्रतिशत, रिंकू नरूका ने 97.60 प्रतिशत, भावेश बडगूजर नें 97.40 प्रतिशत, आद्रिका भारद्वाज ने 97.00 प्रतिशत, मोहम्मद फाहिम ने 96.80 प्रतिशत, पलक कंवर ने 96.00त, स्नेहा शर्मा ने 95.20 प्रतिशत व यशस्वी शर्मा ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय, अपने माता-पिता वह क्षेत्र का नाम रोशन किया।

गौरतलब है कि विद्यालय से सभी उपस्थित 75 विद्यार्थियों में से 20 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये। विद्यार्थियों में विशेष ने दो विषयों में, साथ ही रिंकू नरूका, भावेश बडगूजर, मोहम्मद फाहिम, निखिल कुमावत, ऋषिका सैनी व जिया चौधरी ने एक-एक विषय में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। विद्यालय प्रिंसिपल, कविया प्रेमा ने बताया कि बोर्ड परीक्षा परिणाम की घोषणा के साथ ही विद्यार्थियों के परिजनों के फोन लगातार आने लगे साथ ही सभी माता-पिता शानदार परीक्षा परिणाम से आनंदित महसूस हुए। विद्यालय प्रबंध निदेशक डॉ एन सी लूनायच ने शानदार परीक्षा परिणाम पर सभी विद्यार्थियों, अध्यापकों व परिजनों को बधाई प्रेषित की, साथ ही एन के पब्लिक स्कूल के शिक्षा के क्षेत्र में 40 वें वर्ष में प्राप्त इस परिणाम को खुशियों भरा परिणाम बताया।

विद्यालय निदेशक, कुलदीप सिंह नें उपलब्धि पूर्ण परिणाम पर बधाई प्रेषित करते हुए कहा कि विद्यालय के सर्वोत्तम परिणाम का श्रेय विद्यार्थियों की लगन, टीचर्स की मेहनत तथा माता-पिता का विद्यालय में निरंतर विश्वास को जाता है।

एमपीएस इंटरनेशनल के विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर फहराया परचम

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। एमपीएस इंटरनेशनल विद्यालय के होनहार विद्यार्थियों ने 10वीं तथा 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन कर उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए तथा विद्यालय को गौरवांवित किया। कक्षा 10 की अद्रिका मंथ तथा वान्या बरोला ने 98.8%, सौहार्द शर्मा ने 97.6% एवं युक्ति सावलानी ने 97.2% अंक प्राप्त किए। कक्षा 12 कॉमर्स संकाय में अंशिता मांधना ने 99.4%, पलक धरमदासानी ने 99% तथा लावण्या गुप्ता ने 96.2% अंक प्राप्त किए । ह्यूमैनिटीज संकाय में माया गोस्वामी को 97.4%, अभिनव सिंह को 96% एवं हेतल शर्मा को 95.8% प्रतिशत अंक प्राप्त हुए। इसी क्रम में विज्ञान संकाय के कार्तिकेय शर्मा ने 96.2% ,अक्षांशी ने 96% तथा लक्ष्य सारड़ा ने 94. 6% अंक प्राप्त कर विद्यालय की शोभा में चार चाँद लगाए । समस्त प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की इस शानदार सफलता पर विद्यालय सचिव इंजीनियर श्री दीपक जी सारड़ा एवं भवन मंत्री श्री महेश जी चांड़क ने बहुत-बहुत बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की । प्राचार्या श्रीमती मंजू शर्मा ने दृढ़ निश्चय तथा कठिन परिश्रम से प्राप्त इस अद्वितीय सफलता के लिए सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए इसी तरह जीवन में आगे बढ़ने का संदेश भी दिया ।

ओजस्व गजराज ने खेलो इंडिया में जीता रजत पदक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। दक्षिण भारत के एकाधिकार वाले खेल कलारीपेयट्टू में जयपुर के ओजस्व गजराज ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स,2025 में सिल्वर मेडल जीत कर इतिहास रच दिया । भारत सरकार के खेल एवं युवा मामलात मंत्रालय की ओर से बिहार के ÷गया÷ में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 मार्शल आर्ट्स कलारीपेयट्टू में जयपुर के ओजस्व गजराज ने रजत पदक जीता है। बिहार के गया जिले में 4 से 15 मई 2025 तक आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 28 राज्यों के 1200 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया । जिसमें मदर ऑफ मार्शल आर्ट के नाम से जानी जाने वाली खेल कलारीपेयट्टू के चुवाडुगल प्रतिस्पर्धा में ओजस्व गजराज ने सोमवार को आयोजित प्रतिस्पर्धा में सिल्वर मेडल जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया है ।ओजस्व 13 वर्ष के हैं तथा अंडर 18 प्रतिस्पर्धा में उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है। इस स्वर्णिम और ऐतिहासिक जीत का श्रेय ओजस्व गजराज ने अपने गुरु अशोक पारीक (अशोक स्पोर्ट्स अकादमी) तथा अपने माता-पिता डॉ सुमन मौर्य (प्रोफेसर, राजस्थान विश्वविद्यालय) तथा डॉ.जगदीश प्रसाद (उपनिदेशक, महिला अधिकारिता) को दिया ओजस्व गजराज पूर्व में भी कराटे एवं कलारीपेयट्टू की विभिन्न अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्पर्धा में 40 से अधिक पदक जीत कर देश व प्रदेश का गौरव बढ़ा चुके हैं। ओजस्व गजराज वॉरेन एकेडमी स्कूल के नौवीं के छात्र हैं।

बारूद के ढेर पर बैठा था जयपुर, हादसा टला

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर । जिले के बस्सी में सड़क किनारे खड़ी एक पिकअप में मिला 2075 किलो ऑप्टीस्टार एक्सप्लोसिव विस्फोटक इतना शक्तिशाली था कि इसमें विस्फोट होने पर पूरे जयपुर का पता नहीं लगता की कभी यह शहर था। इस मामले में पुलिस की जांच सामान्य ढंग से चल रही है और पुलिस इसे सामान्य तस्करी का मामला मान रही है जबकि जब यह माल पकड़ा गया था तब भारत-पाकिस्तान के बीच आपसी हमले का दौर था यदि गलती से कोई मिसाइल या ड्रोन इस पिकअप को निशाना बना लेते तो क्या होता। ऐसी जानकारी मिली है कि यह विस्फोटक ब्यावर जिले के बांदनवाड़ा और विजयनगर से लाया गया था, इसमें रोचक तथ्य यह है कि बांदनवाड़ा में किसी के पास ऐसा विस्फोटक बनाने का लाइसेंस नहीं है। इस मामले में होना तो यह चाहिए कि राजस्थान पुलिस इस मामले की जानकारी एन आई ए को दे ताकि वह निष्पक्षता और गंभीरता से जांच कराए कि यह विस्फोटक किसी गलत हाथ में तो नहीं जा रहा था और यह गोरख धंधा कितने साल से चल रहा है।

दिनेश उर्फ लंगड़ा सरगना

जानकार सूत्रों के अनुसार पिकअप में मिला 2075 किलो विस्फोटक बांदनवाड़ा स्थित अपनी मैगजीन दीपक ट्रेडर्स में अवैध रूप से विजयनगर निवासी दिनेश उर्फ लंगड़ा ने बनवाया था इस मैगजीन के पास मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस भी नहीं है जबकि जिस ब्लैक डायमंड एक्सप्लोजीव्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से यह माल बनाया गया है वह मैगजीन पश्चिम बंगाल के बुर्दवान जिले जिले में स्थित है यह वर्तमान में यह माल भी नहीं बना रही है। जानकारी मिली है कि दिनेश उर्फ लंगड़ा विभिन्न कंपनियों के नाम से माल बनवाकर बेचता है दिन में उत्तर प्रदेश इंडो गल्फ एक्सप्लोसिव तथा हिम्मतनगर गुजरात की बिजासन एक्सप्लोसिव प्रमुख है।

पूर्व में लाइसेंस हो चुका है कैंसिल

बांदनवाड़ा की दीपक ट्रेडर्स मैगजीन का एक्सप्लोसिव लाइसेंस पूर्व में अनियमितताओं और शिकायतों के बाद जिला कलेक्टर द्वारा निरस्त किया जा चुका है लेकिन बाद में इस लाइसेंस को संभागीय आयुक्त से आदेश कराकर वापस कर दिया गया जबकि यहां पर अनियमित और अवैध रूप से एक्सक्लूसिव का बनाया जाना चालू है।

लाइसेंस भी अवैध

दिनेश उर्फ लंगड़ा ने भारत सरकार से एक्सप्लोसिव व्यापार लाइसेंस भी अनुचित रूप से प्राप्त कर रखा है वह शारीरिक रूप से विकलांग है और नियमानुसार उसे लाइसेंस नहीं मिल सकता इसी लाइसेंस की आड़ में उसने देश के कई राज्यों में मैगजीन किराए पर ले रखी है तथा वहां अवैध रूप से एक्सक्लूसिव बारूद सामग्री रखता है।

पानी समस्या समाधान शिविर लगवाने के लिए जनता ने जताया कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ का आभार

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के मार्गदर्शन में 14 ग्राम पंचायतों में पेयजल की समस्या के समुचित समाधान हेतु विशेष शिविर सफलतापूर्वक संपन्न

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार और झोटवाड़ा से लोकप्रिय भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के प्रेरणादायी मार्गदर्शन और सार्थक प्रयासों से झोटवाड़ा की ग्राम पंचायतों में पेयजल की समस्या के समुचित समाधान हेतु विशेष शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुए। यह शिविर ग्राम पंचायत कार्यालय, भैंसावा और ग्राम पंचायत कार्यालय, आसलपुर में आयोजित हुआ। इस शिविर से जोरपुरा, आसलपुर, बोबास, बस्सी झाझड़ा, आईदान का बास, ढाणी बोराज, ढीण्डा, भैंसावा, करणसर, लोहरवाड़ा, डूंगरीकलां, हिंगोनिया, जोरपुरा, सुन्दरियावास, कुड़ियों का बास ग्राम पंचायतें लाभान्वित होंगी। ये एक समर्पित प्रयास-जनता की बेहतर सुविधा के लिए है।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा, झोटवाड़ा की हर ग्राम पंचायत में शुद्ध पेयजल उपलब्ध करवाना हमारी प्राथमिकता है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के इस सराहनीय प्रयास के के लिए जनता ने उनकी प्रशंसा करते हुए हार्दिक आभार जताया है। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनकल्याणकारी दृष्टिकोण और माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के समर्पित सुशासित शासन मॉडल से प्रेरित होकर झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में पेयजल समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में यह पहल की गई है।

पृथ्वी दिवस के उपलक्ष में ग्रीन डे व विशिष्ट सभा का आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। । ग्रैंड सीकर रोड, राजावास स्थित एन के पब्लिक स्कूल में कक्षा नर्सरी से दूसरी तक के विद्यार्थियों के द्वारा ग्रीन डे मनाया गया साथ ही कक्षा 3 से 12 के विद्यार्थियों नें स्पेशल असेंबली में भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों जैसे पोस्टर मेकिंग, हिंदी तथा अंग्रेजी में भाषण, चित्रकारी आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। सभी बच्चों को आर-3 नियम (रीसायकल, री यूज़ व रिड्यूस) के बारे में बताया गया। पृथ्वी दिवस 2025 की थीम है हमारी ताकत हमारे पेड़ जिसके अंतर्गत कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थियों ने कविता, स्लोगन, भाषण, पोस्टर आदि का आलेखन किया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक डॉ. एन सी लूनायच ने विद्यार्थियों से प्रकृति को बचाने का आह्वान करते हुए पौधारोपण का संदेश दिया, निदेशक कुलदीप सिंह नें विद्यालय में विभिन्न वृक्षों पर पक्षियों हेतु परिंडे लगाकर बच्चों को प्रकृति प्रेमी गतिविधि में भाग लेने हेतु प्रेरित किया, प्रधानाध्यापिका कविया प्रेमा नें पृथ्वी दिवस पर प्रकृति संरक्षण का विचार प्रेषित किया। कार्यक्रम में वाइस प्रिंसिपल गौरव, समन्वय गण व सभी टीचर्स उपस्थित रहे।

गोबर की खरीद से आत्म निर्भर होंगी प्रदेश की गौशालाएं, प्राकृतिक खेती से कई गुणा होंगी किसानों की आय

राजस्थान को ऑर्गेनिक राज्य का मॉडल बनाने के लिए राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के किसानों से जैविक खेती अपनाने, गोबर और गौमूत्र के उपयोग करने के आह्वान को धरातल पर उतारते हुए इससे होने वाले लाभ के सटीक आंकड़ों के साथ अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद के अंतरराष्ट्रीय संयोजक डॉ. अतुल गुप्ता और अखिल भारतीय जैविक महिला किसान उत्पादक संघ की संरक्षक मोनिका गुप्ता की एक अगुवाई में एक प्रतिनिधि मंडल ने राजभवन में राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े से भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने वैज्ञानिक आंकड़ों के माध्यम से प्रस्तुतिकरण दिया कि किसानों की आय कई गुणा बढ़ने, गौशालाओं की आत्मनिर्भरता और प्रदेश के विकास का रास्ता गौ आधारित प्राकृतिक खेती से ही निकलेगा। इसके अलावा और कोई आसान रास्ता नहीं है। प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश में गोबर खरीद योजना लागू करने, कृषि के क्षेत्र में विशेष राज्य का दर्जा प्रदान करने, नेशनल मिशन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर, प्राकृतिक खेती के तहत राजस्थान को मॉडल ऑर्गेनिक राज्य बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित ज्ञापन सौंपा। डॉ. अतुल गुप्ता ने बताया कि अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद गौ-संरक्षण और जैविक खेती को बढ़ावा देने वाला अग्रणी संगठन है। 25 अप्रैल 2024 को राजस्थान की 150 गौशालाओं के साथ 39 सूत्रीय मांग पत्र तैयार कर सरकार को भेजा गया। वहीं, अखिल भारतीय जैविक महिला किसान उत्पादक संघ जैविक खेती के माध्यम से महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए समर्पित है। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने ज्ञापन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मंडल ने राजस्थान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था, गौ-संरक्षण, और जैविक खेती के महत्व पर विस्तृत चर्चा की।

गोबर से बदलेगी गौशालाओं की तकदीर

प्रतिनिधि मंडल ने ज्ञापन में राज्यपाल को अवगत करवाया कि राजस्थान की 3500 गौशालाओं और 13 लाख गौवंश से प्रतिवर्ष 474.5 करोड़ किलोग्राम गोबर उत्पादन होता है। 2 रुपए प्रति किलोग्राम की दर से गोबर खरीदने पर गौशालाओं को 949 करोड़ रुपए की वार्षिक आय होगी। वहीं, जैविक खाद की बिक्री से (10 रुपए किलोग्राम) से 4,745 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त होगा। गोवंश से जुड़े रोजगार सृजन में 1.5 लाख प्रत्यक्ष और 3 लाख अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। विशेष रूप से यह योजना ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के लिए वरदास सिद्ध होगी। इस पर केन्द्र सरकार को अति शीघ्र ध्यान देना चाहिए। वहीं, राजस्थान को विशेष राज्य का दर्जा मिलने से जैविक खेती और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। यदि राजस्थान मॉडल ऑर्गेनिक राज्य घोषित होता है तो राजस्थान की विशाल भूमि, गौवंश की उपलब्धता और कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था राजस्थान के विकास को पंख लगा देगी।

उदयपुर में भीख मांगने वाली 72 वर्षीय हथनी रामू कर रही है जिन्दगी जीने के लिए संघर्ष

वाइल्डलाइफ एसओएस के सहसंस्थापक और सीईओ कार्तिक सत्यनारायण एवं एसओएस डायरेक्टर कंजरवेशन प्रोजेक्ट्स बैजूराज एम.वी. हथनी को बचाने के लिए कर रहे हैं प्रयास

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

उदयपुर । उदयपुर के आवरी माता मंदिर में अस्थाई रूप से रह रही लगभग 72 वर्षीय मादा हथनी रामू की हालत गंभीर है क्योंकि उसके पैर के तलवे अलग हो गए हैं जिससे वह हिल नहीं पा रही है और उसके पैर में सड़न हो गई है।जीर्ण संक्रमण के कारण उसके पैर के नाखून गिर गए हैं ,घाव खुल गए हैं, सूजन आ गई है और नेक्रोसिस के लक्षण के साथ बड़े घाव हो गए हैं। राजस्थान वन विभाग के सहयोग से वाइल्डलाइफ एसओएस ने उसकी देखभाल में सहायता करने के लिए कदम बढ़ाया है जिसमें पोर्टेबल एक्स-रे डायग्नोस्टिक्स, लेजर थेरेपी एवं घाव ड्रेसिंग सहित उन्नत चिकित्सा हस्तक्षेप शामिल हैं।रामू का इलाज कर रहे पशु चिकित्सकों के अनुसार उसकी हालत बहुत खराब है।वह स्वतंत्र रूप से खड़ी होने में व हिलने-डुलने में असमर्थ है तथा हर 36 घंटे में हाइड्रा क्रेन का उपयोग करके उसकी साइड बदली जाती है ताकि उसकी हालत और खराब न हो। हाथी को प्रतिदिन 40 से 60 लीटर फ्लूइड थेरेपी देकर स्थिर किया जा रहा है। उसे आराम देने के लिए कूलिंग सिस्टम गद्देदार टेन्ट बिस्तर और चौबीसों घंटे देखभाल की व्यवस्था की गई है। रामू को बिहार के सोनपुर पशु मेले से लाए जाने के बाद से ही वह 1992 से सड़कों पर भीख मांग रही है।

दशकों तक कैद में रहने के कारण अब उसकी मेडिकल स्थिति अत्यधिक खराब हो गई है जिसके बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि समय रहते हस्तक्षेप से इसे रोका जा सकता था।अप्रैल 2024 में एक व्यापक पशु चिकित्सा मूल्यांकन के बाद राजस्थान के मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक ने हाई पॉवर कमेटी को एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें रामू और एक और 42 वर्षीय मादा हथनी मोती को एक विशेष बचाव केन्द्र में स्थानांतरित करने की सिफारिश की गई थी और हाई पॉवर कमेटी द्वारा इन दोनों हाथनीयों को मथुरा में भारत के पहले हाथी अस्पताल में स्थानान्तरित करने का निर्णय लिया गया था।जिसे उत्तर प्रदेश वन विभाग के साथ साझेदारी में वाइल्डलाइफ एसओएस द्वारा संचालित किया जाता है। उन्नत चिकित्सा देखभाल की तत्काल आवश्यकता का हवाला देते हुए कमेटी ने सर्वसम्मति से स्थानान्तरण को मंजूरी दे दी।

मंदिर की जमीन पर जबरन सरसों की तुड़ी डालने का मामला राजपूत समाज में रोष

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

टोंक । टोंक जिले के घाड थाना क्षेत्र में मंदिर की जमीन पर जबरन प्रभावशाली लोगों ने अवैध रूप से संससो की तुडी डाल दी। जिससे नाराज होकर राजपूत समाज के लोगों ने अपने लेटर पैड पर घाड थाना पुलिस को सूचना देकर अवैध रूप से डाली गई तुडी को हटाने की मांग की है। शंकर सिंह,भरत सिंह,जगत सिंह सहित लोगों ने दिए शिकायत पत्र में बताया कि यह भुमी श्री सत्यनारायण भगवान के मंदिर के नाम पर है।जिसकी खांता संख्या 52 है और खंसरा नंबर 48,49,51, 53,57,59,60,/568 है जिस पर रामवतार पुत्र जगदीश जाट, मनीष पुत्र जगदीश जाट, निवासी कोटड़ा तहसील देवली, ने अवैध रूप से पत्थर तिरे तोड कर ठाकुर जी की जमीन पर सरसों की तुडी डाल दी है।

जयपुर में फैशन का महाकुंभः आज होगा जयपुर कॉट्योर शो सीजन-13 का पोस्टर लॉन्च

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान की पिंक सिटी अब एक बार फिर फैशन की राजधानी बनने जा रही है, क्योंकि बुधवार शाम मालवीया नगर स्थित ओरा जीटी में 'जयपुर कूट्योर शो-सीजन-13' का पोस्टर लॉन्च करते हुए फैशन को बढ़ावा दिया जाएगा। डायरेक्टर-फाउंडर गौरव गौड़ ने बताया कि यह मेरे लिए गर्व का क्षण है, कि हम राजस्थान के प्रतिष्ठित फैशन शो के 13वें संस्करण की घोषणा कर रहे हैं।

पिछले 12 वर्षों की हमारी यात्रा यादगार रही और अब हम फिर से एक शानदार सीजन लेकर आए हैं। शो में देशभर से 24 फैशन डिजाइनर, 2 बॉलीवुड सेलिब्रिटी, 6 टीवी स्टार, 1 नेशनल लेवल कोरियोग्राफर और 1 नेशनल विजुअल डिजाइनर हिस्सा लेंगे। वहीं 40 फीमेल मॉडल और 15 मेल मॉडल्स रैंप वॉक करेंगे।

पोस्टर लॉन्च में पेट्रोन जेडी माहेश्वरी और अजीत सोनी के साथ डायरेक्टर पीएन डूडी, दीपक नाहर, अनिल भट्टर और अंकुर जैन मौजूद रहेंगे। तीन दिनों चलने वाले फैशन एक्स्ट्रावगांजा को फर्स्ट इंडिया प्लस ओटीटी प्लेटफॉर्म और यू-ट्यूब पर लाइव दिखाया जाएगा। शो को 100 से ज्यादा वेबसाइट्स कवर करेंगी।

मुख्यमंत्री निवास पर वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित

श्री अन्न को दें प्रोत्साहन, सरकारी कार्यक्रमों में करें शामिल प्रदेश सरकार युवाओं को दे रही रोजगार के पर्याप्त अवसर : भजनलाल शर्मा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बजट की प्रत्येक घोषणा को पूरा करने के लिए अधिकारी टाइमलाइन बनाते हुए काम करें। अधिकारी उसी तय सीमा में काम को पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 2047 तक विकसित राजस्थान के संकल्प को ध्यान में रखते हुए अपने प्रत्येक बजट में राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए विभिन्न प्रावधान किए हैं। हम प्रदेश के युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर देते हुए उन्हें आत्मनिर्भर, सशक्त एवं खुशहाल बनाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने विभिन्न घोषणाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बजटीय घोषणाओं की प्रगति का नियमित फॉलोअप सुनिश्चित कर रही है, जिससे जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे।

चिकित्सालयों में लगाए जाएंगे हॉस्पिटल मैनेजर

शर्मा ने कहा कि चिकित्सा महाविद्यालयों सहित सभी चिकित्सा संस्थानों में बेहतर प्रशासनिक प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए हॉस्पिटल मैनेजर का पद सृजित किया जाएगा। विभाग में कार्यरत चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण दिया जाए जिससे उनकी प्रबंधन दक्षताओं में वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि मां योजना तथा आरजीएचएस पोर्टल को इंटीग्रेटेड हैल्थ मैनेजमेंट सिस्टम के अंतर्गत इंटीग्रेट किया जाए। साथ ही, स्वास्थ्य शिविर लगाकर ई-हैल्थ रिकॉर्ड के कार्य में गति लाई जाए।

वन कार्मिक, पटवारी, स्कूल शिक्षक तथा कांस्टेबल के पदों पर भर्ती शीघ्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि राज्य के युवाओं को रोजगार मिले। इस दिशा में लगभग 1 लाख 88 हजार सरकारी पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं की सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण पहुंच सुनिश्चित कर रही है। इसी क्रम में शीघ्र ही वन विभाग में विभिन्न कार्मिकों, पटवारी, स्कूल शिक्षक तथा कांस्टेबल के पदों पर भर्ती की जाएगी। कार्मिक विभाग द्वारा इस संबंध में अग्रिम कार्यवाही प्रारंभ की जा चुकी है।

राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों में श्री अन्न को करें शामिल

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री अन्न को राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल किया जाए जिससे इसके उपयोग को प्रोत्साहन मिले। उन्होंने कहा कि श्री अन्न की पोषण क्षमता एवं उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए मिड-डे मील तथा मां बाडी केन्द्रों पर पायलट बेसिस पर श्री अन्न आधारित उत्पाद शुरू किए जाएं जिससे बच्चों में सुपोषण तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी आयोजनों में स्वयं सहायता समूह तथा राजीविका की महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों को उपयोग में लाया जाए जिससे न केवल उन उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि उनकी आय में वृद्धि भी होगी। शर्मा ने अधिकारियों को श्री अन्न के मार्केटिंग, उत्पादन तथा प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक समिति बनाने के भी निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि बजटीय घोषणाओं की स्पष्ट कार्ययोजना बनाई जाए जिससे तय समयसीमा में घोषणाएं धरातल पर उतर सकें। उन्होंने कहा कि विभाग अपनी बजटीय घोषणाओं की प्रगति रिपोर्ट तैयार कर उनकी नियमित समीक्षा करें। साथ ही, जिन विभागों में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है उनके कार्य में तेजी लाई जाए। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में रोजगार के अवसरों का सृजन करने के साथ सर्विस सेक्टर में निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर पॉलिसी लाई जाएगी। साथ ही, राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी लाकर राज्य में ट्रेडिंग सेक्टर का विकास एवं संवर्धन किया जाएगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने सर्कुलर इकोनॉमी के व्यापक प्रसार, ई-बस सेवा, प्रस्तावित एमनेस्टी स्कीम, राजस्थान व्हीकल स्क्रैप पॉलिसी, घरेलू उपभोक्ताओं को पाइप्ड गैस सप्लाई से जोड़ने की प्रक्रिया को गति देने सहित विभिन्न बजटीय घोषणाओं की प्रगति पर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने जल संसाधन, उद्योग, नगरीय विकास, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, नागरिक उड्डयन, परिवहन, सूचना प्रौद्योगिकी, वित्त, वन, पर्यावरण, ग्रामीण विकास, राजस्व, स्वायत्त शासन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कार्मिक, स्कूल शिक्षा, सार्वजनिक निर्माण विभाग जैसे प्रमुख विभागों की बजटीय घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा की। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कंचनपुर के पुरा उलावटी में अतिक्रमण को लेकर चला पीला पंजा

प्रशासन ने कलेक्टर के निर्देश पर खाली कराई करीब 25 बीघा चरागाह भूमि

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। कंचनपुर थाना क्षेत्र के पुरा उलावटी गांव में जिला कलेक्टर के निर्देश पर मंगलवार को बाड़ी उपखंड प्रशासन द्वारा पीला पंजा चलाकर कंचनपुर उपतहसील कार्मिको और कंचनपुर थाना पुलिस के सहयोग से करीब 25 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया है। उक्त भूमि पर आरोपियों ने कब्जे का मेढ़बंदी कर रखी थी और कृषि कार्य किया जा रहा था। जिसको लेकर जब ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से शिकायत की तो आज कार्रवाही अमल में लाई गई है।

बाड़ी तहसीलदार उत्तम चंद्र बंसल ने बताया कि जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी के निर्देश पर बाड़ी एसडीएम भगवत शरण त्यागी के सुपरविजन में कार्रवाई की गई है। राजस्व विभाग के भू अभिलेख निरीक्षक सुनील कुमार, मोहम्मद सईद के साथ हल्का पटवारी दयाराम गुर्जर, विश्वेंद्र गुर्जर, महावीर सिंह की टीम ने उक्त कार्रवाई को अंजाम दिया है। दो जेसीबी मशीन और आधा दर्जन ट्रैक्टरों की मदद से कंचनपुर पुलिस की मौजूदगी में करीब 25 बीघा भूमि को गांव पूरा उलावटी में अतिक्रमण मुक्त कराया है। गांव के पास जंगल मे यह गोचर भूमि है। जिस पर पशु चरते है। उक्त भूमि पर गांव और आसपास के क्षेत्र के कुछ लोगों द्वारा कब्जा कर रखा था। जिसकी शिकायत ग्रामीणों द्वारा जिला कलेक्टर से की गई थी।

» बाड़ी...जेसीबी से अतिक्रमण हटाते टीम

अवैध हथियारों के साथ फोटो प्रदर्शन करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

राजाखेड़ा। पुलिस महानिरीक्षक भरतपुर राहुल प्रकाश शर्मा एवं जिला पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा व अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार शर्मा के निर्देशन में राजाखेड़ा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बिक्री के लिए सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों का प्रदर्शन करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक द्वारा सोशल मीडिया पर हथियारों सहित फोटो वायरल करने से आमजन में भय व्याप्त था। वहीं सोशल मीडिया पर प्रदर्शित फोटो में गिरफ्तार किए गए युवक का एक साथी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है। थाना प्रभारी रामकिशन यादव ने बताया कि मुखबिर ने सूचना दी कि दो लड़कों की हथियारों के साथ फोटो वायरल हो रही है। जो यहीं राजाखेड़ा कस्बे में उन हथियारों की फोटो दिखाकर उनको बेचने की फिराक में हैं। इसी सूचना पर कार्रवाई करते टीम गठित कर राजाखेड़ा कस्बे के मैन बाजार से सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों का प्रदर्शन करने वाले युवक अंकुश पुत्र दिनेश उम्र 28 साल निवासी सिकन्दरपुर थाना राजाखेडा को गिरफ्तार किया है। जिसके खिलाफ आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। साथ ही गिरफ्त में आए युवक द्वारा सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों का प्रदर्शन करने से आमजन में भय एवं संत्रास पैदा किया जा रहा था। जिससे आमजन स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहा था एवं आपराधिक तत्वों के हौसले बुलन्द हो रहे थे।

थाना प्रभारी रामकिशन यादव ने बताया कि सोशल मीडिया पर ऐसे लोगों का अनुसरण करके उनके कृत्य से उत्प्रेरित होकर अन्य अपराधी तत्व उत्पन्न हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रदर्शित फोटो में गिरफ्तार किए गए युवक का एक साथी शिवम उर्फ भोला पुत्र राजेश निवासी सिकन्दरपुर थाना राजाखेडा अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

» धौलपुर..पुलिस की गिरफ्त में

जयपुर में 15 मई को अल्बर्ट हॉल से बड़ी चौपड़ तक निकाली जाएगी तिरंगा यात्रा- अरूण चतुर्वेदी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की ओर से पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा आपरेशन सिंदूर चलाकर आतंकियों की कमर तोड़ने का काम किया है। ऐसे में भारतीय सेना के मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी की ओर से तिरंगा यात्रा निकालने का निर्णय किया है। तिरंगा यात्रा किसी राजनीतिक पार्टी का कार्यक्रम नहीं है, यह देश का, समाज का हमारी सेना के लिए निकाला जा रहा कार्यक्रम है। इसमें आमजन की भागीदारी रहेगी। तिरंगा यात्रा संभाग स्तर के साथ जिला और फिर विधानसभा क्षेत्रवार भी निकाली जाएगी। तिरंगा यात्रा को लेकर मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर बैठक आयोजित की गई।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने बताया कि बैठक में राजधानी जयपुर में 15 मई को तिरंगा यात्रा निकालने का फैसला किया गया है। जयपुर में गुरुवार को सुबह 11 बजे अल्बर्ट हॉल से तिरंगा यात्रा को शुरू किया जाएगा। यात्रा न्यू गेट, बापू बाजार, सांगानेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ तक जाएगी। तिरंगा यात्रा का बड़ी चौपड़ पर समापन किया जाएगा।

तिरंगा यात्रा को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार प्रदेश स्तरी और संभाग स्तरीय कमेटी बनाई गई है। भाजपा प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी और युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष अंकित चेची को समिति का प्रदेश समन्वयक बनाया गया है। भाजपा प्रदेश मंत्री एवं तिरंगा यात्रा कार्यक्रम के प्रदेश समन्वयक भूपेंद्र सैनी ने बताया कि जयपुर के बाद तिरंगा यात्रा प्रदेशभर में निकाली जाएगी। इसके लिए संभाग अनुसार समन्वयक बनाए गए है। इसमे जयपुर में रामलाल शर्मा, विमल अग्रवाल, रघुनाथ नरेडी, प्रेम सिंह बनवासा, उदयपुर संभाग में पिंकेश पोरवाल, दिप्ती माहेश्वरी, पंकज बोराणा, जोधपुर में महेंद्र कुमातव, राजेंद्र बोराणा, नारायण पुरोहित, भरतपुर संभाग में भानुप्रताप सिंह, डीडी कुमावत, भगवान दास शर्मा, बीकानेर संभाग में विजेंद्र पूनिया, विजय आचार्य, महेश व्यास, कोटा संभाग में अनुसूईया गोस्वामी, हेमंत विजयवर्गीय, नरेंद्र नागर और अजमेर में मोतीलाल मीणा, पुखराज पहाडिया और नीरज जैन को संभाग समन्वयक बनाया गया है।

युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची ने बताया कि बैठक में पूर्व अध्यक्ष अशोक परनामी, जयपुर सांसद मंजू शर्मा, विधायक कालीचरण सराफ, बालमुकुंदाचार्य, गोपाल शर्मा, कैलाश वर्मा, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल,जयपुर दक्षिण जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, जयपुर मेयर सौम्या गुर्जर, प्रदेश मंत्री स्टेफी चौहान के साथ मोर्चा अध्यक्ष मंच पर उपस्थित रहे। बैठक में पार्षदगण, जयपुर शहर मंडल अध्यक्ष, मोर्चो के जिलाध्यक्ष, प्रकोष्ठ के जिला संयोजक उपस्थित थे।

वांछित आरोपी गिरफ्तार

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। महानिदेशक पुलिस राजस्थान जयपुर एवं महानिरीक्षक पुलिस भरतपुर रेंज एवं पुलिस अधीक्षक महोदय जिला धौलपुर द्वारा द्वारा जिला स्तर पर अवैध खनन के विरुद्ध कार्यवाही हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक धौलपुर सुमित कुमार मेहरडा आईपीएस के निर्देशन मे सरमथुरा के निकटतम सुपरवीजन मे पुलिस थाना सरमथुरा द्वारा अबैध खनन करने वाले फरार आरोपियो के खिलाफ की कार्यवाही की ।

जानकारी के अनुसार 12 मई को गश्त के दौरान पुलिस थाना सरमथुरा द्वारा कार्यवाही करते हुये वान्छित आरौपी चरनसिहं पुत्र भगवानसिहं जाति मीना उम्र 30 साल निवासी खैमरी थाना सरमथुरा जिला धौलपुर व दिनेश कुमार पुत्र देवीप्रसाद जाति मीना उम्र 30 साल निवासी शीतलपुरा थाना सरमथुरा जिला धौलपुर को गरीवा का गौदाम झिरी मोड़ से गिरफ्तार किया गया।

व 12 मई को गश्त के दौरान पुलिस थाना सरमथुरा द्वारा कार्यवाही करते हुये वान्छित आरौपी शिवराज पुत्र प्रहलाद जाति मीना उम्र 26 साल निवासी ग्यादास का पुरा थाना सरमथुरा जिला धौलपुर को बाडी बस स्टेण्ड से गिरफ्तार किया गया।

मृत कर्मचारियों के 9 आश्रितों को मिली नौकरी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर डिस्कॉम ने अपने 9 मृतक कर्मचारियों के परिवार वालों को नौकरी दी है। इन लोगों को अलग-अलग पदों पर परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी के तौर पर रखा गया है। डिस्कॉम ने कहा है कि इन सभी को नियुक्ति पत्र जारी होने के एक महीने के अंदर अपनी ड्यूटी पर हाजिर होना होगा। जयपुर डिस्कॉम की चेयरमैन और प्रबंध निदेशक आरती डोगरा ने बताया कि कंपनी ने अनुकंपा नियुक्ति के मामलों में तेजी से कार्रवाई करते हुए यह फैसला लिया है। 7 लोगों को वाणिज्यिक सहायक द्वितीय और 2 लोगों को सहायक द्वितीय के पद पर नियुक्त किया गया है। ये सभी नियुक्तियां दो साल के लिए अस्थाई हैं।

इस दौरान उन्हें हर महीने तय पैसे मिलेंगे। जब वे सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा कर लेंगे, तब उन्हें नियमित वेतनमान दिया जाएगा। यह कदम उन कर्मचारियों के परिवारों को सहारा देने के लिए उठाया गया है, जिन्होंने कंपनी के लिए काम करते हुए अपनी जान गंवा दी। कंपनी का उद्देश्य है कि ऐसे मुश्किल समय में उनके परिवारों को आर्थिक मदद मिल सके।

बाड़ी के कोयला गांव में स्कूल एवं आंगनबाड़ी के सामने जमा कीचड़, आवागमन में हो रही परेशानी

छोटे बच्चे कई बार कीचड़ में गिरकर हो चुके है चोटिल

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। उपखंड की ग्राम पंचायत नक्सौदा के गांव कोयला में आम रास्ता में कीचड़ होने से जहां ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है वहीं आंगनबाड़ी एवं स्कूल में अध्ययनरत बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में आंगनबाड़ी केंद्र एवं सरकारी स्कूल के सामने रास्ता में गांव का गंदा पानी एकत्रित हो रहा है। जिसे लेकर कई बार ग्राम पंचायत को शिकायत करने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। गांव के वार्ड पंच रामकुमार ने बताया कि गांव में नाली का अभाव होने के साथ ही गांव में समरसेंबिल चलती रहती है जिससे पानी बहकर आम रास्ता में जमा हो जाता है।

ऐसे में स्कूल एवं आंगनबाड़ी केंद्र पर आने वाले बच्चों के साथ ही ग्रामीण एवं स्टाफ को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि रास्ता में कीचड़ होने से छोटे बच्चे कई बार कीचड़ में गिरकर चोटिल होते देखे जा सकते है। जिसे लेकर कई बार जिम्मेदारों को भी अवगत कराया जा चुका है।

» बाड़ी...दुर्दशा का शिकार आंगन बाड़ी केंद्र और रास्ता

समर कैम्प 15 मई से, बच्चों को मिलेगा शास्त्रीय और लोक नृत्य का प्रशिक्षण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर कथक केन्द्र में आगामी 15 मई से 15 जून 2025 तक समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कथक नृत्य एवं लोक नृत्य की कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। ये कक्षाएं प्रातः 9:00 से 11:00 बजे तक संचालित होंगी।

जयपुर कथक केन्द्र की सचिव श्रुति मिश्रा ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ भारतीय नृत्य कला को प्रोत्साहित करना है। समर कैम्प में

प्रतिभागियों को कथक का प्रशिक्षण चेतन कुमार जवड़ा, मोहित और विदुषी द्वारा प्रदान किया जाएगा, जबकि लोक नृत्य की शिक्षा सिमरन अग्रवाल देंगी। कैम्प में संगीत की धुन पर प्रशिक्षण को सजीव बनाने के लिए हिरेन्द्र भट्ट (हारमोनियम) और मोहित चौहान (तबला) संगत प्रदान करेंगे।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के वार्षिक भौतिक सत्यापन की अवधि 31 मई तक बढ़ाई

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने वर्ष-2025 के लिए सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनान्तर्गत लाभार्थियों की वार्षिक भौतिक सत्यापन की अवधि को बढ़ाकर 31 मई कर दिया है। निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव बचनेश अग्रवाल ने बताया कि योजना के तहत आने वाले लाभार्थियों की मांग और सुविधा के लिए विभाग ने सत्यापन की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल से बढ़ाकर 31 मई. 2025 कर दी है। उन्होंने कहा लाभार्थी अविलंब अपना सत्यापन करवाएं ताकि पेंशन में कोई व्यवधान ना हो।

कार्यालय ग्राम पंचायत बटीकरा, पंचायत समिति सरमथुरा (धौलपुर)

क्रमांकः/ ग्रा.पं./ई.नि.नि.सा./2025/11 दिनांक :- 10.05.2025

ई-निविदा सूचना 01/2025-26

ग्राम पंचायत परिक्षेत्र में ग्रामीण विकास तथा पंचायतीराज की विभिन्न योजनाओं के तहत सम्पूर्ण वर्षवार स्वीकृत निर्माण कार्यों में निर्माण सामग्री आपूर्ति अनुमानित लागत लगभग 50.00 लाख के लिये सक्षम श्रेणी के पंजीकृत फर्मों से ऑनलाइन ई-निविदा दिनांक 21.05.2025 को समय 10.00 एएम तक आमंत्रित की जाती है, जिसका यूबीएन नम्बर क्रमशः ZDH2526GLRC00131 है। विस्तृत विवरण https://sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा व डाउनलोड किया जा सकता है।

प्रशासक
ग्राम पंचायत बटीकरा
पं.समिति सरमथुरा, धौलपुर

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बटीकरा
पं.समिति सरमथुरा, धौलपुर

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT KHAROLI P.S. SARMATHURA (DHOLPUR)

No. 16 Date: 09/05/2025

Notice Inviting Bid

Bids for Civil Works Material Supply are invited From interested Bidders up to 06:00 PM 21/5/2025, other Particulars of the Bid may be Visited on the proucurement portal http//eproc.rajasthan.gov.in, http//sppp.raj.nic.in of the State. The approximate value of the procurement is Rs. 50.00 lakh

NIB No. ZDH2526A0082 **UBN No**. ZDH2526GLRC00134

Village Development Officer
Gram Panchayat Kharoli

कार्यालय ग्राम पंचायत रहरई, पंचायत समिति सरमथुरा (धौलपुर)

क्रमांकः/ ग्रा.पं./ई.नि.नि.सा./2025/15 दिनांक :- 10.05.2025

ई-निविदा सूचना 01/2025-26

ग्राम पंचायत परिक्षेत्र में ग्रामीण विकास तथा पंचायतीराज की विभिन्न योजनाओं के तहत सम्पूर्ण वर्षवार स्वीकृत निर्माण कार्यों में निर्माण सामग्री आपूर्ति अनुमानित लागत लगभग 50.00 लाख के लिये सक्षम श्रेणी के पंजीकृत फर्मों से ऑनलाइन ई-निविदा दिनांक 21.05.2025 को समय 10.00 एएम तक आमंत्रित की जाती है, जिसका यूबीएन नम्बर क्रमशः ZDH2526GLRC00132, NIB No.ZDH2526A0080 है। विस्तृत विवरण https://sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा व डाउनलोड किया जा सकता है।

प्रशासक
ग्राम पंचायत रहरई
पं.समिति सरमथुरा, धौलपुर

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत रहरई
पं.समिति सरमथुरा, धौलपुर

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT CHANDRAWALI P.S. SARMATHURA (DHOLPUR)

No. 10 Date: 08/05/2025

Notice Inviting Bid

Bids for Civil Works Material Supply are invited From interested Bidders up to 06:00 PM 21/5/2025, other Particulars of the Bid may be Visited on the proucurement portal http//eproc.rajasthan.gov.in, http//sppp.raj.nic.in of the State. The approximate value of the procurement is Rs. 50.00 lakh

NIB No. ZDH2526A0081 **UBN No**. ZDH2526GLRC00133

Village Development Officer
Gram Panchayat Chandrawali

संपादकीय

जंग के मैदान पर मसलों का हल; संघर्ष विराम के मायने, सैन्य सफलता के बाद भारत की नई रणनीति

भारत हमेशा इस बात का हिमायती रहा है कि आज के दौर में मसले जंग के जरिए हल नहीं किए जा सकते। इसलिए रूस-यूक्रेन संघर्ष रुकवाने के लिए उसने भरसक कोशिश की। भारत और पाकिस्तान के बीच शुरू हुआ सैन्य संघर्ष फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। भारतीय सेना के तीनों अंगों के प्रमुखों ने संयुक्त रूप से कहा है कि हमारा मकसद आतंकी ठिकानों को निशाना बनाना था। उसमें हमें पूरी कामयाबी मिली। मगर पाकिस्तानी सेना ने उसे अपने ऊपर हमला मान लिया और आतंकवाद के साथ खड़ी हो गई। अब हम अगले अभियान के लिए तैयार हैं। अब दोनों देशों के सैन्य अभियान प्रमुखों ने भी औपचारिक रूप से संघर्ष विराम पर परस्पर सहमति जता दी है। दरअसल, पिछले दो दिन से संघर्ष विराम को लेकर तरह-तरह के सवाल उठ रहे थे, इसे लेकर आम लोगों में भी निराशा नजर आ रही थी। सेनाध्यक्षों के बयान के बाद अब किसी के मन में संशय नहीं रहना चाहिए कि आखिर क्यों लंबे सैन्य संघर्ष का रास्ता छोड़ना पड़ा। भारतीय सेना शुरू से कहती आ रही है कि वह हर तरह के हमले का जवाब देने को तैयार है। अब उसने रेखांकित किया है कि हमारा सुरक्षा कवच अभेद्य है और हम अगले अभियान के लिए तैयार हैं, तो इसका अर्थ समझने की जरूरत है। छिपी बात नहीं है कि पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों पर लक्षित हमले के बाद भी भारत अपने मकसद को भूला नहीं है। आतंकवाद के सफाए के लिए अब नई रणनीति की जरूरत महसूस की जाने लगी है, इसलिए कि पाकिस्तानी सेना ने उस भारतीय हमले को अपने ऊपर हमला मान कर जवाब देना शुरू कर दिया था। यह अच्छी बात है कि इस मौके पर सारे विपक्षी दलों ने सरकार में भरोसा जताया और उसके हर फैसले में साथ देने का वादा निभाया। मगर युद्ध विराम का फैसला आते ही इस मसले पर राजनीतिक सरगर्मी दिखाई देने लगी है। सरकार ने भी विपक्षी दलों की तरफ से उठ रहे सवालों का जवाब दे दिया है। युद्ध के समय सियासी नफे-नुकसान के समीकरण नहीं साधे जाने चाहिए, यह बात दोनों पक्षों पर लागू होती है। इसी तरह, आम जन को तथ्यों की जानकारी मिलनी ही चाहिए। मगर समझने की जरूरत है कि सेना इसलिए कई सवालों के जवाब फिलहाल भविष्य पर छोड़ रही है कि उसने अभी तक संघर्ष को अंतिम तौर पर समाप्त नहीं किया है। सैन्य अभियान के प्रमुख ने एक सवाल के जवाब में कहा भी कि इस वक्त यह देखना चाहिए कि हम अपने अभियान में कितने कामयाब हुए हैं। जाहिर है, भारतीय सेना अभी कोई ऐसा वक्तव्य नहीं देना चाहती या कोई ऐसी बात नहीं करना चाहती, जिससे पाकिस्तान गलत तरीके से लाभ उठाए। भारत हमेशा इस बात का हिमायती रहा है कि आज के दौर में मसले जंग के जरिए हल नहीं किए जा सकते। इसलिए रूस-यूक्रेन संघर्ष रुकवाने के लिए उसने भरसक कोशिश की। एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में भारत और इसकी सेना को अच्छी तरह पता है कि लंबे समय तक सैन्य तनाव किसी भी रूप में देश हित में नहीं हो सकता। इसलिए मुख्य समस्या के समाधान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। भारत का मकसद फिलहाल पाकिस्तान में पनाह पाए आतंकवादी संगठनों को नेस्तनाबूद करना है। इस पर दुनिया के शायद ही किसी देश को एतराज हो कि भारत आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक युद्ध चाहता है। यही वजह है कि ज्यादातर देशों ने भारत के लक्षित हमलों की सराहना की। इस संघर्ष विराम को किसी राजनीतिक चश्मे से देखने पर सेना की रणनीति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का खतरा हो सकता है।

मोबाइल एप्स से घिरे हम, क्या आरामतलब की जिंदगी ने हमें निकम्मा बना दिया है?

आज सोचने-समझने का स्वरूप किस कदर बदल रहा है, इसका अंदाजा इस उदाहरण से लगाया जा सकता है कि एक परिचित व्यक्ति ने कार की साफ-सफाई करते हुए अपनी कोई तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा कर दी, तो उसे यह कहा गया कि 'क्या महोदय, आप खुद अपनी कार की साफ-सफाई करते हैं? इसके लिए तो आजकल बड़े आराम से आदमी मिल जाते हैं, जो मात्र हजार रुपए में पूरे महीने कार की साफ-सफाई कर देते हैं।' किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को नई पीढ़ी की इस सोच पर आश्चर्य से ज्यादा खेद होगा।

बाजारवाद ने हमें बहुत अधिक पराश्रित कर दिया है। दिखावे की हैसियत के मारे हम लोग दूसरों पर इतने निर्भर होते जा रहे हैं कि बाजार हमारी इस आरामपरस्ती को भुनाने में लगा हुआ है। आज हमारा मोबाइल दुनिया भर की एप से भरा हुआ है। आज सोचने-समझने का स्वरूप किस कदर बदल रहा है, इसका अंदाजा इस उदाहरण से लगाया जा सकता है कि एक परिचित व्यक्ति ने कार की साफ-सफाई करते हुए अपनी कोई तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा कर दी, तो उसे यह कहा गया कि 'क्या महोदय, आप खुद अपनी कार की साफ-सफाई करते हैं? इसके लिए तो आजकल बड़े आराम से आदमी मिल जाते हैं, जो मात्र हजार रुपए में पूरे महीने कार की साफ-सफाई कर देते हैं।' किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को नई पीढ़ी की इस सोच पर आश्चर्य से ज्यादा खेद होगा। नई पीढ़ी में यह कैसी सोच विकसित हो रही है? माना कि बाजार के इस युग में हर काम के लिए आदमी सुलभ है, पर घर के छोटे-मोटे काम जो हम स्वयं बड़ी आसानी से कर सकते हैं, उसके लिए हम किसी बाहरी व्यक्ति पर निर्भर क्यों हों? कुछ साल पहले तक ज्यादातर लोग घर के कई काम स्वयं कर लेते थे। जैसे पानी की टंकी में घुसकर उसे साफ करना। दीपावली के स्वच्छता अभियान में छत से पंखे उतार लेना, उसकी पंखुड़ियों को अलग कर उनकी सफाई कर फिर जोड़कर पंखें को वापस लगा देना। महीने दो महीने में पानी का भरा हौद खाली करके उसकी सफाई कर देना। उन दिनों बिजली के लिए घरों में एमसीबी के स्थान पर 'फ्यूज' होते थे जो बिजली के जरा से उतार-चढ़ाव के साथ ही जल जाते थे, जिसे 'फ्यूज' उड़ना कहा जाता था। 'फ्यूज' को अपनी जगह से निकाल कर उसमें तांबे का तार बांधना थोड़ा खतरनाक काम था, पर उस काम को भी बड़ी कुशलता से कर लिया जाता था। दीपावली के समय रोशनी के लिए लगाई गई झालर खराब होने पर 'टेस्टर' की सहायता से खराब बल्ब को खोजकर उसके स्थान पर नया बल्ब जोड़ना उस समय बच्चों के लिए एक खेल होता था। पानी की मोटर, कूलर और पंखों के सामान और कूलर के पम्प आसानी से बदल दिए जाते थे। पानी के पाइपों और नलों की छोटी-मोटी टूट-फूट के लिए हमें कभी अन्य व्यक्ति की आवश्यकता नहीं पड़ी। पेड़-पौधों की कटाई-छंटाई और देखभाल आमतौर पर हम खुद कर लेते थे। उस दौर में साइकिल या स्कूटर के पंचर तक भी कुछ लोग खुद ही जोड़ लेते थे। स्कूटर-मोटर साइकिल के स्टार्ट न होने पर प्लग को खोलकर बड़ी आसानी से साफ कर लिया जाता था। अगर घर का निर्माण कार्य चल रहा होता था तो परिवार के सदस्य बिना किसी शर्म-संकोच के ईंट-पत्थर ढो लेते थे। बच्चों के लिए तो यह काम कम, एक प्रकार का खेल ही होता था। धीरे-धीरे समय बदला। बाजार ने आदमी की सोच को गहरे तक प्रभावित किया और उसकी धारणाओं को भी बदला। अब लोग अपने ही घर के छोटे-मोटे कामों को करना अपने स्टेट्स सिंबल या हैसियत के प्रतीक के विपरीत समझने लगे। जिन लोगों ने ऐसे काम करना नहीं छोड़ा, उन्हें कंजूस समझा जाने लगा और उसके पड़ोसियों एवं परिचितों द्वारा उसे हेय दृष्टि से देखा जाने लगा। नई पीढ़ी की स्थिति तो यह हो गई है कि छोटे-मोटे औजारों को हाथ में पकड़ना ही उन्हें अपमानजनक लगने लगा है। आज बाजारवाद ने हमें बहुत अधिक पराश्रित कर दिया है। दिखावे की हैसियत के मारे हम लोग दूसरों पर इतने निर्भर होते जा रहे हैं कि बाजार हमारी इस आरामपरस्ती को भुनाने में लगा हुआ है। आज हमारा मोबाइल दुनिया भर के एप से भरे हुए हैं। छोटे से छोटे काम के लिए भी हमारी युवा पीढ़ी मोबाइल एप का प्रयोग करती है और आदमी हाजिर हो जाता है। दूसरों पर यह निर्भरता इतनी खतरनाक सिद्ध हुई है कि जो काम हम स्वयं कर सकते हैं, उसके लिए भी हमें दूसरों का मुंह देखना पड़ता है। आज की पीढ़ी के कितने ही युवाओं को घरेलू गैस सिलेंडर तक नहीं बदलना आता। साधन-सुविधाओं का उपभोग एक हद तक ठीक है, पर हमें दूसरों पर इतना भी निर्भर नहीं होना चाहिए कि हमारे दिमाग और शरीर दोनों को ही जंग लग जाए। अगर हम अपने घर के छोटे-मोटे काम खुद करने लग जाएं तो इससे हमारी दिमागी और शारीरिक दोनों तरह की कसरतें हो जाएंगी, साथ ही कड़ी मेहनत से कमाया गया हमारा धन भी व्यर्थ खर्च होने से बच जाएगा। सभी माता-पिता को इस बारे में सोचना चाहिए कि वे अपने बच्चों को अपना काम स्वयं करने की शिक्षा दें। खुद बच्चे का काम न करें, बल्कि उन्हें इस ढंग से प्रेरित करें कि बच्चा स्वयं ही उस काम को करने लगे। बच्चों का पालन-पोषण इस प्रकार से हो कि वे कभी भी दूसरों पर निर्भर न रहें। बच्चों के सामने कभी भी अपने पैसे, पद और रुतबे का प्रदर्शन न करें। 'स्टेट्स सिंबल' जैसे शब्दों से या तो अपने बच्चे को दूर रखने का प्रयास करें या उन्हें समझाएं कि अपने घर का काम करना किसी भी प्रकार से रुतबे या हैसियत के विरुद्ध नहीं है। आज जब देश भयंकर बेरोजगारी की मार से जूझ रहा है, युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का मंत्र दिया जा रहा है, देश के विभिन्न राज्य व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने लगे हैं, तरह-तरह के उद्यम कार्यक्रमों के तहत युवा पीढ़ी में विभिन्न प्रकार के कौशल विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, ऐसे में ये छोटे-मोटे घरेलू कार्य हमारे लिए बहुत महत्त्वपूर्ण और प्रभावकारी सिद्ध हो सकते हैं। आज की युवा पीढ़ी को यह बताना बेहद आवश्यक है कि छोटे-मोटे कामों के लिए दूसरों का मुंह ताकना अच्छी बात नहीं। जो काम हम स्वयं कर सकते हैं, उसके लिए बाजार के भरोसे रह कर अपनी क्षमता को यों ही व्यर्थ या कुंद नहीं करना चाहिए।

सरकारी आतंकवाद का पर्याय पाकिस्तान, सेना और आतंकियों का मेल

विश्व समुदाय को पाकिस्तान सरकार और सेना पर दबाव बनाना चाहिए कि वे आतंक से नाता तोड़ें। अन्यथा उन्हें इसके गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। अगर संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं अब भी पाकिस्तानी आतंकवाद को नजरअंदाज करती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब इसका दंश भारत के साथ-साथ दूसरे देशों को झेलना पड़ सकता है। मनुष्य का अस्तित्व कोई अकेले के बस की बात नहीं है। अन्य या दूसरे के साथ सहअस्तित्व जीवन जीने के लिए अनिवार्य है। भारत सतत रूप से एक शांति का आकांक्षी देश ही सिद्ध होता है। वह दूसरे देशों पर आधिपत्य स्थापित करने या कब्जा जमाने की जगह शांति चाहता रहा है। अन्य देशों के साथ परस्पर सहयोग और समर्थन पाने की इसकी चाह रही है। इसी नीति के अनुसार भारत द्वारा आर्थिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में एक-दूसरे से परस्पर जुड़ने के प्रयास को सदैव प्राथमिकता दी गई। कलह और संघर्ष में भारत की कभी रुचि नहीं रही। अपने पड़ोसी देशों की ओर से भी भारत इसी भावना की कामना करता रहा है। ऐसी नीति और आचरण के परिप्रेक्ष्य में ही हमारी विदेश नीति भी निर्धारित होती रही है। इसी अपेक्षा के साथ स्वतंत्र भारत शुरू से राजनय में अपने कदम बढ़ाता रहा है, किंतु दूसरों को अपनी ही तरह समझना खामखयाली साबित हुई। इतिहास गवाह है कि इस तरह की नीति के चलते भारत को कई बार नुकसान भी उठाना पड़ा। स्वतंत्र भारत का एक दशक बीतते-बीतते पड़ोसी चीन द्वारा भाई-भाई के दिखावटी रिश्तों की आड़ में धोखा दिया गया। पाकिस्तान हमारा दूसरा ऐसा पड़ोसी देश है, जो स्वतंत्र होने के बाद से ही लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए है। आतंकवाद, अलगाववाद तथा उग्रवाद को बढ़ावा देना और गतिरोध पैदा करना पाकिस्तान का मुख्य काम रह गया है। पाकिस्तान अपने जन्म के साथ ही भारत के साथ पट्टीदारी जैसी मानसिकता के साथ अविश्वास और द्रोह की भावना रखता आया है। युद्ध छेड़ने के अलावा पाकिस्तान की ओर से भारत की सीमा पर शत्रुता भरी छोटी-बड़ी घटना रह-रहकर अंजाम दी जाती रही है। इसके बावजूद भारत पाकिस्तान के साथ संवाद और सहयोग के लिए सदा तत्पर रहा, लेकिन पाकिस्तान की तरफ से नकारात्मक रवैया अपनाया जाता रहा है। साथ ही वह भारत के बारे में दुष्प्रचार के साथ छद्म युद्ध भी चलाता रहा है। इसका दुष्परिणाम भी उसे भुगतना पड़ा है। वहां के प्रधानमंत्री लगातार हत्या या फांसी के शिकार होते आए हैं। एक लंबे समय से पाकिस्तान

के अनेक प्रांत अपनी समस्याओं के चलते अलगाववादी राह भी अपनाते रहे हैं। आजकल बलूच समुदाय द्वारा स्वतंत्रता की मांग जगजाहिर है। सच कहें तो आंतरिक अस्थिरता और आपसी मनमुटाव जैसे मुद्दों से वहां की सरकार लगातार जूझ रही है। इसी स्थिति में आतंकवादी तत्व भी सक्रिय होते रहते हैं, जो पाकिस्तान के अंदर और बाहर आतंक मचाने का काम करते हैं। इनके अलग-अलग स्रोत हैं, परंतु इन सबके ऊपर पाकिस्तान सरकार द्वारा आतंकवाद को जायज मानकर अपनाना और पोषित करना खतरनाक पहल है। गत दिनों पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने यह बात खुद स्वीकारी। यह किसी भी सभ्य सरकार के लिए शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है। पाकिस्तानी सरकार और वहां की सेना आतंकवादी संगठनों को धन, प्रशिक्षण और साजो-सामान से लैस कर तरह-तरह से प्रश्रय देती रही है। ये आतंकवादी भारत की सीमा में आकर कायराना घटनाएं करते रहते हैं। पाकिस्तान सरकार, सेना और आतंकी तीनों का मेल कितना खतरनाक हो सकता है, भारत में होने वाली तमाम आतंकी घटनाएं इसके प्रमाण हैं। मुंबई, उड़ी, पठानकोट, पुलवामा और अब पहलगाम जैसी आतंकी घटनाएं पाकिस्तान की सरकारी दहशतगर्दी की पुष्टि करते हैं। पुलवामा हमले की जिम्मेदारी तो उसके एक शीर्ष सैन्य अफसर ने ली थी। यह अक्षम्य और अस्वीकार्य है। भारत सदैव आतंकवाद का विरोध करता रहा है और उसे रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिये उसने यह पाकिस्तान के साथ पूरी दुनिया को जता दिया। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तानी आतंकवाद को नियंत्रित करने के लिए पहले आर्थिक और राजनीतिक प्रतिबंध लागू किए। फिर पाकिस्तानी आतंकवाद को समाप्त करने की दृष्टि से वहां उनके लिए स्थापित आतंकी प्रशिक्षण केंद्रों को ठिकाने लगाने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाया। ऑपरेशन सिंदूर भारत सरकार और भारतीय सेना के बेहतरीन सहयोग, तालमेल और समझदारी का बेजोड़ नमूना साबित हुआ। इसके तहत हमारी सेना ने अपनी सटीक कार्रवाई से पहले पाकिस्तान के कई आतंकी अड्डे नष्ट किए, फिर अनेक सैन्य अड्डे। मारे गए आतंकियों के जनाजों में पाकिस्तान सरकार और सेना के कई उच्चाधिकारी भी शामिल हुए। आतंकियों को राजकीय सम्मान के साथ गार्ड आफ आनर भी दिया गया। इसे देखकर अमेरिका सहित विश्व समुदाय की आंखें खुल जानी चाहिए। विश्व समुदाय को पाकिस्तान सरकार और सेना पर दबाव बनाना चाहिए कि वे आतंक से नाता तोड़ें। अन्यथा उन्हें इसके गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। अगर संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं अब भी पाकिस्तानी आतंकवाद को नजरअंदाज करती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब इसका दंश भारत के साथ-साथ दूसरे देशों को झेलना पड़ सकता है। फिलहाल दुनिया पाकिस्तान सरकार, सेना और आतंक के गठजोड़ पर क्या रुख लेगी, कहना कठिन है। यह अच्छा है कि भारत सतर्क और तत्पर ढंग से सामरिक तैयारी में लगा है। वैश्विक मंचों पर उसकी पोल भी खोल रहा है। आज भारत एकजुट होकर आतंक को समाप्त करने के लिए दृढ़ है। इससे पीछे नहीं हटना चाहिए। हमारा सूत्र होना चाहिए-न दैन्यं न पलायनम्!

जिसे देख क्रिकेट सीखा, उसने टेस्ट को कहा अलविदा – मैदान का शेर विराट कोहली

क्रिकेट टेस्ट मैचों के मुकाबलों में अब विराट कोहली नहीं होंगे। मगर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की दुनिया में अब तक उनकी जो जगह बन चुकी है, उसमें इस खेल के हर प्रारूप में उनकी छवि मौजूद होगी। सोमवार को विराट कोहली ने जब सोशल मीडिया पर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की, तो भारत सहित दुनिया भर में इस खेल में उनके सफर को याद करते हुए उन्हें भावुक विदाई दी गई। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टी-20 मैचों से वे पहले ही संन्यास ले चुके हैं और अब टैस्ट मैचों में भी नहीं दिखेंगे।

विराट कोहली के सफर में आए उतार-चढ़ाव उनके प्रदर्शन में कभी बाधक नहीं बने। कभी मैदान में उन्होंने अपनी चमक बिखेरी, तो उसकी चकाचौंध में डूबे नहीं, कभी मद्धिम पड़े तो उससे हारे नहीं। क्रिकेट टेस्ट मैचों के मुकाबलों में अब विराट कोहली नहीं होंगे। मगर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की दुनिया में अब तक उनकी जो जगह बन चुकी है, उसमें इस खेल के हर प्रारूप में उनकी छवि मौजूद होगी। सोमवार को विराट कोहली ने जब सोशल मीडिया पर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की, तो भारत सहित दुनिया भर में इस खेल में उनके सफर को याद करते हुए उन्हें भावुक विदाई दी गई। गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टी-20 मैचों से वे पहले ही संन्यास ले चुके हैं और अब टैस्ट मैचों में भी नहीं दिखेंगे। हालांकि एकदिवसीय मैचों में वे मौजूद रहेंगे। दरअसल, विराट कोहली के उभार के बाद से अब तक देश और दुनिया भर में लोगों ने जिस रूप में उन्हें देखा है, उसमें वे ज्यादातर लोगों के दिमाग में

एक सदाबहार, सहृदय और बेहद सक्षम खिलाड़ी के रूप में स्थिर हो चुके हैं। विराट ने भारत को चालीस टैस्ट मैचों में जीत दिलाई, लगातार नौ टेस्ट शृंखला जीतने का कीर्तिमान कायम किया। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में छह दोहरे शतक, बीस शतक और नाबाद 254 रन का कीर्तिमान दर्ज है। विराट कोहली के सफर में आए उतार-चढ़ाव उनके प्रदर्शन में कभी बाधक नहीं बने। कभी मैदान में उन्होंने अपनी चमक बिखेरी, तो उसकी चकाचौंध में डूबे नहीं, कभी मद्धिम पड़े तो उससे हारे नहीं। सन 2014 में इंग्लैंड में एक टेस्ट शृंखला के पांच मैचों में दस पारियों में विराट ने महज एक सौ पैंतीस रन बनाए, तब उनकी क्षमता पर सवाल उठाए जाने लगे थे। हालांकि उससे पहले वे अलग-अलग देशों के कई तेज पिचों पर शतक जमा चुके थे और उन्हें तेजी से उभरता सितारा माना जाने लगा था। विराट ने अपने उस प्रदर्शन को सबक के तौर पर लिया, अपनी बल्लेबाजी की तकनीक और कौशल में सुधार लाने के लिए उन्होंने खुद को सख्त मेहनत और अभ्यास में झोंक दिया और फिर ऐसे खिलाड़ी के रूप में उभर कर सामने आए, जिसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों में अपनी क्षमता साबित की और खेल के रुख को बदल देने वाले चेहरे के तौर पर मशहूर हुए। अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टेस्ट क्रिकेट की दुनिया को वे शिद्दत से याद आएंगे।

बेनकाब हुआ पाकिस्तान, कई प्रमुख एयरबेस ध्वस्त

ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को नष्ट और फिर उसके कई प्रमुख एयरबेस ध्वस्त करने की अभूतपूर्व सैनिक कार्रवाई के बारे में हमारे शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने लगातार दो दिन तक जो कुछ बताया, उसके बाद पाकिस्तान के लिए मुंह छिपाना और अधिक कठिन होगा। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को रेखांकित करना इसलिए आवश्यक था, क्योंकि पाकिस्तान हमेशा की तरह यह झूठ फैलाने की कोशिश में है कि हमारा कोई ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।

पाकिस्तान राजनीतिक आर्थिक और अब तो सैन्य मोर्चे पर भी संकट में है। इस संकट से उबरने का एक ही उपाय है और वह है भारत के खिलाफ आतंकवाद का इस्तेमाल बंद करना। जब तक वह वास्तव में ऐसा नहीं करता और खुद को विश्वसनीय नहीं बनाता तब तक उसके प्रति किसी तरह की नरमी नहीं दिखाई जानी चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को नष्ट और फिर उसके कई प्रमुख एयरबेस ध्वस्त करने की अभूतपूर्व सैनिक कार्रवाई के बारे में हमारे शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने लगातार दो दिन तक जो कुछ बताया, उसके बाद पाकिस्तान के लिए मुंह छिपाना और अधिक कठिन होगा। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को रेखांकित करना इसलिए आवश्यक था, क्योंकि पाकिस्तान हमेशा की तरह यह झूठ फैलाने की कोशिश में है कि हमारा कोई ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। वह इस झूठ का सहारा लेने में इसलिए नाकाम हो रहा है, क्योंकि ऐसे कोई प्रमाण नहीं दे पा रहा कि वह अपना बचाव सही तरह कर पाया। उसकी सेना ने जो कथित प्रमाण देने की कोशिश की, वे इतने हास्यास्पद हैं कि वह उपहास का पात्र बन गया है। पाकिस्तान को बेनकाब करना इसलिए

भी जरूरी था, क्योंकि कुछ अंतरराष्ट्रीय मीडिया माध्यम भी सच से मुंह मोड़ रहे हैं। इसमें तो कोई संदेह नहीं कि भारत ने पाकिस्तान को पस्त कर दिया, लेकिन यह प्रश्न अनुत्तरित है कि क्या वह सुधरेगा? यह ठीक है कि दोनों देशों के सैन्य अभियान महानिदेशकों के बीच बातचीत हुई और उसमें सीमा पर तनाव घटाने एवं उकसावे वाली कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी, लेकिन कम से कम भारत उस पर भरोसा नहीं कर सकता और न ही उसे करना चाहिए। अतीत में पाकिस्तान ने सीमा पर शांति बनाए रखने और आतंकवाद से दूरी बनाने के अपने वादों को इतनी बार तोड़ा है कि उस पर आगे से भरोसा करना खतरे से खाली नहीं। इसका भी अंदेशा है कि दोनों देशों के बीच युद्ध सरीखे सैन्य टकराव पर विराम के अमेरिकी राष्ट्रपति के कथित श्रेय से उत्साहित होकर वह कश्मीर का अंतरराष्ट्रीयकरण करने की कोशिश कर सकता है। वह इससे भी परेशान है कि सैन्य कार्रवाई तो थम गई, लेकिन उसके हाथ कुछ भी नहीं लगा और यहां तक कि भारत उन फैसलों पर विचार करने को भी तैयार नहीं, जो पहलगाम की आतंकी घटना के बाद उसके खिलाफ लिए गए। इनमें सबसे कठोर फैसला है सिंधु जल समझौते का स्थगन। भले ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने उस पर कृपा दिखा दी हो, लेकिन सिंधु जल समझौते पर विश्व बैंक कोई दखल देने को तैयार नहीं। पाकिस्तान राजनीतिक, आर्थिक और अब तो सैन्य मोर्चे पर भी संकट में है। इस संकट से उबरने का एक ही उपाय है और वह है भारत के खिलाफ आतंकवाद का इस्तेमाल बंद करना। जब तक वह वास्तव में ऐसा नहीं करता और खुद को विश्वसनीय नहीं बनाता, तब तक उसके प्रति किसी तरह की नरमी नहीं दिखाई जानी चाहिए। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर से जो कुछ पाया है, उसे संजोकर रखने के लिए पाकिस्तान से सतर्क भी रहना होगा और उस पर दबाव भी बनाए रखना होगा।

अहमदाबाद में होगा आईपीएल का फाइनल, 17 मई से लीग फिर से शुरू होगी

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 का फाइनल और क्वालीफायर 2 अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। लीग का फाइनल 3 जून को खेला जाना है। एक दिन पहले बीसीसीआई ने आईपीएल के बचे 13 मैच का शेड्यूल रिलीज किया था। लेकिन प्लेऑफ के वेन्यू डिसाइड नहीं किए थे।

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक अहमदाबाद को 1 जून को होने वाला क्वालीफायर-2 और 3 जून को खेला जाने वाला फाइनल की मेजबानी के लिए चुना गया है। प्लेऑफ के वेन्यू नहीं बताने का एकमात्र कारण मौसम है।

बोर्ड शेड्यूल को अंतिम रूप देने से पहले देश भर में मानसून की गतिविधियों पर नजर रख रहा है। वेदर के मुताबिक अहमदाबाद में जून की शुरुआत में बारिश होने की संभावना नहीं है।

पाकिस्तान के साथ तनाव के कारण 9 मई को ढ्ढक्क सस्पेंड करना पड़ा था। क्चष्टष्टढ्ढ ने टूर्नामेंट को रोकते हुए कहा था कि देश इस समय युद्ध की स्थिति में है। ऐसे में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन ठीक नहीं।

17 मई को ऋष्टक्च और ञ्चक्र के बीच बेंगलुरु में पहला मैच होगा। जयपुर, दिल्ली, लखनऊ, मुंबई और अहमदाबाद में बाकी मुकाबले खेले जाएंगे। 27 मई को लीग स्टेज खत्म होगा। 18 और 25 मई को रविवार के दिन 2 डबल हेडर खेले जाएंगे। यानी 11 दिन में लीग स्टेज के 13 मैच होंगे।

पंजाब और दिल्ली के बीच धर्मशाला में 8 मई को होने वाला मैच पाकिस्तान से हुए हमलों के बीच रोकना पड़ा था। यह मुकाबला अब 24 मई को जयपुर में खेला जाएगा। प्लेऑफ मुकाबलों का वेन्यू फिलहाल तय नहीं है। पहले हैदराबाद और कोलकाता में 2-2 प्लेऑफ मैच खेले जाने थे।

सचिन के रिकॉर्ड के आसपास कोई नहीं, विराट के टेस्ट संन्यास के बाद 100 शतकों का रिकॉर्ड अटूट

नई दिल्ली। कहा जाता है कि रिकॉर्ड बनते ही हैं टूटने के लिए। हालांकि, क्रिकेट के कुछ रिकॉर्ड ऐसे हैं, जो कालजयी बन जाते हैं। इनका टूटना लगभग नामुमकिन माना जाता है। जैसे 50 से ज्यादा टेस्ट खेलने के बाद डॉन ब्रैडमैन का 99.94 का औसत। इंटरनेशनल क्रिकेट में मुथैया मुरलीधरन का 1347 विकेट का रिकॉर्ड।

विराट कोहली के टेस्ट से रिटायरमेंट के बाद सचिन तेंदुलकर के 100 शतकों का रिकॉर्ड भी इसी फेहरिश्त में शामिल हो सकता है। वैसे सचिन के कारनामे से विराट सिर्फ 18 शतक पीछे हैं, लेकिन टेस्ट को अलविदा कहने के बाद उनके लिए अब 100 शतकों तक पहुंचना बेहद मुश्किल है। स्टोरी में आगे जानेंगे कि ऐसा क्यों है। साथ ही यह भी जानेंगे कि वर्तमान और भविष्य का कोई अन्य बल्लेबाज भी इस नंबर तक क्यों नहीं पहुंच सकता है।

पिछले साल भारत को चैंपियन बनाने के बाद विराट ने टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया था। अब उन्होंने टेस्ट को भी अलविदा कह दिया है। अब अगर उन्हें सचिन के रिकॉर्ड तक पहुंचना है, तो वनडे में ही 18 शतक जमाने होंगे। विराट ने हिंट दी है कि वे 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक इस फॉर्मेट में खेलना जारी रख सकते हैं।

विराट वनडे में औसतन हर 6 पारी में एक शतक जमा देते हैं। इस रफ्तार से उन्हें 18 शतक के लिए 108 पारियां खेलनी पड़ेंगी। 2020 से भारत हर साल औसतन 16 वनडे खेलता है। इस लिहाज से अगले वर्ल्ड कप भारतीय टीम मुश्किल से 40-50 मैच खेल पाएगी। विराट अगर सभी मुकाबले खेल लेते हैं तब भी वे ज्यादा से ज्यादा 7 से 8 शतक ही लगा पाएंगे। यानी उनके लिए अब 100 शतक तक पहुंच पाना लगभग असंभव है।

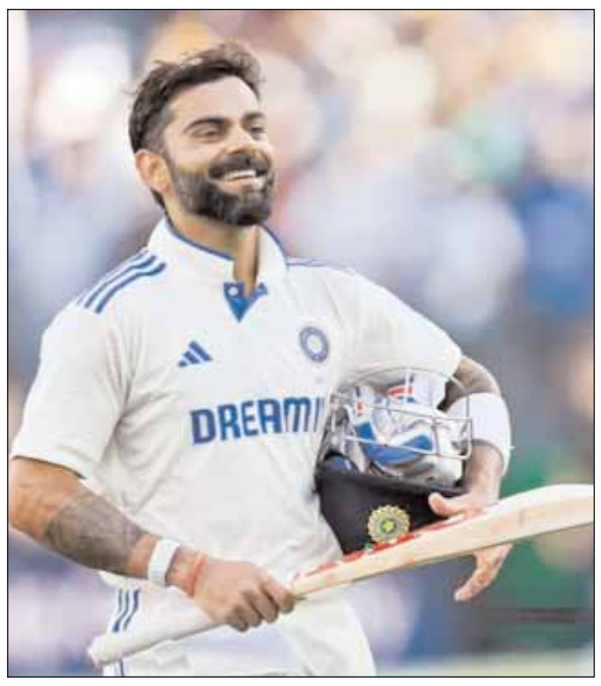

विराट-अनुष्का प्रेमानंद प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंचे

नई दिल्ली। विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के अगले दिन मथुरा के वृंदावन पहुंचे। पत्नी अनुष्का शर्मा भी उनके साथ थीं। दोनों सुबह प्रेमानंद महाराज के केली कुंज आश्रम पहुंचे। दोनों ने प्रेमानंद महाराज को दंडवत प्रणाम कर आशीर्वाद लिया। प्रेमानंद महाराज ने विराट और अनुष्का से पूछा- प्रसन्न हो? इस पर विराट ने मुस्कुराकर कहा- हां। महाराज ने दोनों को आशीर्वाद दिया- जाओ, खूब आनंदित रहो, नाम जप करते रहो। इस पर अनुष्का ने पूछा- बाबा क्या नाम जप से सबकुछ पूरा हो जाएगा? महाराज ने कहा- हां, सब पूरा होगा।

प्रेमानंद महाराज ने विराट-अनुष्का से करीब 7 मिनट बातचीत की

विराट और अनुष्का मथुरा के होटल रेडिसन में ठहरे हुए थे। दोनों सुबह 7.20 बजे प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचे थे। जानकारी के मुताबिक दोनों ने महाराज से करीब 7 मिनट तक अकेले में भी बातचीत की। प्रेमानंद आश्रम की तरफ से इस मुलाकात का पूरा वीडियो भी जारी किया गया है।

प्रेमानंद महाराज के आश्रम से जाने के करीब आधे घंटे बाद विराट-अनुष्का लौटे। आश्रम में 2 घंटे 20 मिनट ठहरकर वे सुबह 9.40 बजे वहां से निकले। इस दौरान दोनों ने आश्रम के कामकाज को देखा-समझा।

माइक हेसन पाकिस्तान के वनडे और टी-20 के कोच बने

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने माइक हेसन को पाकिस्तान का नया व्हाइट-बॉल कोच बनाया है। हेसन वनडे और टी-20 के हेड कोच बने हैं। न्यूजीलैंड के माइक 26 मई से अपना पदभार संभालेंगे। हालांकि पीसीबी ने उनके कॉन्ट्रैक्ट के बारे में जानकारी नहीं दी।

50 साल के हेसन आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के 2019-23 में हेड कोच रह चुके हैं। 2012-18 तक वे न्यूजीलैंड मेंस टीम के भी कोच रहे। अभी हेसन पाकिस्तान सुपर लीग में इस्लामाबाद यूनाइटेड को कोचिंग दे रहे थे। इस्लामाबाद यूनाइटेड पीएसएल 2024 की विजेता थी।

पाकिस्तान के अंतरिम कोच आकिब जावेद को बोर्ड ने हाई-परफॉरमेंस डायरेक्टर बनाया है। जावेद पाकिस्तान सिलेक्टर्स टीम का अहम हिस्सा होंगे।

बांग्लादेशी सीरीज से जिम्मेदारी संभालेंगे

पाकिस्तान के कोच के रूप में हेसन का पहला काम बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज होगी। 25 मई से शुरू होने वाली सीरीज का क्रश्रुरिशेड्यूल होने की वजह से मैच की तारीख में बदलाव होगा।

बुमराह कप्तानी डिजर्व करते हैं- अशिवन

बोले- कोहली टेस्ट के ब्रांड एम्बेसडर, उनमें 2 साल का क्रिकेट और बचा था

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि जसप्रीत बुमराह भारत के टेस्ट कप्तान बनना डिजर्व करते हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के रिटायरमेंट से टेस्ट टीम में लीडरशिप का गैप बनेगा। इसे भरना बेहद मुश्किल होगा।

अश्विन का मानना है कि कोहली के संन्यास से टेस्ट क्रिकेट ने अपना ब्रांड एम्बेसडर खो दिया। उन्होंने जल्दबाजी की, उनमें 1-2 साल का क्रिकेट और बचा था।

बुमराह कप्तानी डिजर्व करते हैं

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल एश की बात पर कहा, इंग्लैंड दौरे पर अब भारत की पूरी तरह से युवा टीम जाएगी। जिसमें बुमराह अब सीनियर प्लेयर माने जाएंगे। मुझे तो लगता है कि उन्हें कप्तानी मिलनी चाहिए, वे कप्तान बनना डिजर्व करते हैं। हालांकि,

सिलेक्टर्स उनकी फिटनेस को देखते हुए ही फैसला करेंगे। अश्विन ने आगे कहा, रोहित और विराट के संन्यास से टेस्ट टीम में लीडरशिप का बड़ा गैप बनेगा। आप अनुभव को खरीद नहीं सकते, खासकर इंग्लैंड जैसे मुश्किल दौरों पर अनुभव की जरूरत पड़ेगी। विराट की एनर्जी और रोहित का धैर्य याद आएगा।मुझे लगता है कि कोहली में 1-2 साल का टेस्ट क्रिकेट और बचा था। मुझे लगा था कि रोहित इंग्लैंड सीरीज तक जरूर खेलेंगे, क्योंकि उनके चले जाने से टीम में कप्तानी का बड़ा गैप बन जाएगा।

अश्विन ने आगे कहा, पिछले 10-12 सालों से टीम इंडिया के लिए टेस्ट फॉर्मेट बेस्ट रहा। लीडरशिप को ध्यान में रखते हुए रोहित को इंग्लैंड सीरीज तक को खेलना ही था। अगर वे परफॉर्म करते तो आगे भी खेलना जारी रख सकते थे। रोहित का बेस्ट तो मुझे इंग्लैंड में ही नजर आया था, जब उन्होंने 2021 में शतक लगाकर टीम को जीत दिलाई थी। राहुल और उनकी ओपनिंग ने हमेशा हमें एक कदम आगे रखा। 2019 से 2023 तक टेस्ट में रोहित का बेस्ट देखने को मिला। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया में भी उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया था।

व्यापार

अप्रैल में रिटेल महंगाई घटकर 3.16 प्रतिशत पर आई, ये करीब 6 साल में सबसे कम

नई दिल्ली। भारत की रिटेल महंगाई अप्रैल में घटकर 3.16 प्रतिशत पर आ गई है। ये महंगाई का 69 महीनों का निचला स्तर है। जुलाई 2019 में महंगाई 3.15 प्रतिशत रही थी। खाने-पीने के सामान की कीमतों में लगातार नरमी के कारण रिटेल महंगाई घटी है।

इससे पहले मार्च महीने में रिटेल महंगाई 3.34 रही थी। ये महंगाई का 67 महीने का निचला स्तर था। यानी, मंगलवार 13 मई को सरकार की ओर से रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी किए गए हैं।

महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वे ज्यादा चीजें

खरीदेंगे। ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी।

इस तरह बाजार महंगाई की चपेट में आ जाता है। सीधे शब्दों में कहें तो बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या चीजों की शॉर्टेज महंगाई का कारण बनता है। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी।

एक ग्राहक के तौर पर आप और हम रिटेल मार्केट से सामान खरीदते हैं। इससे जुड़ी कीमतों में हुए बदलाव को दिखाने का काम कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स यानी सीपीआई करता है। हम सामान और सर्विसेज के लिए जो औसत मूल्य चुकाते हैं, सीपीआई उसी को मापता है।

कच्चे तेल, कमोडिटी की कीमतों, मैन्युफैक्चर्ड कॉस्ट के अलावा कई अन्य चीजें भी होती हैं, जिनकी रिटेल महंगाई दर तय करने में अहम भूमिका होती है। करीब 300 सामान ऐसे हैं, जिनकी कीमतों के आधार पर रिटेल महंगाई का रेट तय होता है।

चौथी तिमाही में हीरो मोटोकॉर्प को 1,081 करोड़ का मुनाफा, कमाई 5 प्रतिशत बढ़कर 10,162 करोड़ पहुंची

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी टू-व्हीलर मैन्युफैक्चरर हीरो मोटोकॉर्प प्रति शेयर 65 रुपए का डिविडेंड यानी लाभांश देगी। कंपनी ने यह जानकारी मंगलवार (13 मई) को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के नतीजों के साथ दी।

हीरो ने बताया जनवरी-मार्च तिमाही में उसे 1,081 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा (स्टैंड अलोन नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर यह 6.39 प्रतिशत बढ़ा है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा ?1,016 करोड़ रुपए था।

हीरो मोटोकॉर्प की टोटल इनकम 5 प्रतिशत बढ़ी

चौथी तिमाही में हीरो मोटोकॉर्प की टोटल इनकम सालाना आधार पर 4.77त्न बढ़कर 10,162 करोड़ रुपए रही। पिछले साल की समान तिमाही में

कंपनी की टोटल इनकम 9,699 करोड़ रुपए रही थी।

बाजार के जानकारों को उम्मीद थी कि वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में हीरो मोटोकॉर्प का मुनाफा करीब 1100 करोड़ रुपए होगा। इस हिसाब से देखा जाए तो कंपनी ने मार्केट विश्लेषकों की उम्मीद के मुताबिक परफॉर्म किया है। इसका पॉजिटिव असर कंपनी के शेयरों पर आने वाले दिनों में देखने को मिल सकता है।

स्टैंड अलोन नतीजों का मतलब केवल सेगमेंट का प्रदर्शन

कंपनियों के रिजल्ट दो भागों में आते हैं- स्टैंड अलोन और कॉन्सोलिडेटेड। स्टैंड अलोन में केवल एक यूनिट या सेगमेंट का फाइनेंशियल परफॉर्मेंस दिखाया जाता है। जबकि, कॉन्सोलिडेटेड या समेकित फाइनेंशियल रिपोर्ट में पूरी कंपनी का डेटा जारी होता है।

हीरो मोटोकॉर्प के शेयर का परफॉर्मेंस कैसा है?

हीरो मोटोकॉर्प का शेयर आज 1.77 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,055 के स्तर पर बंद हुआ। कंपनी का शेयर एक महीने में 6.61 प्रतिशत चढ़ा है। जबकि, बीते 6 महीने में यह 10.27 प्रतिशत, एक साल में 16.99 प्रतिशत और इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 3.08त्न गिरा है। हीरो

सिप्ला का चौथी तिमाही में मुनाफा 30 प्रतिशत बढ़कर 1,222 करोड़

रेवेन्यू 8.48 प्रतिशत बढ़कर 6,598 करोड़ रहा 13 डिविडेंड देगी कंपनी

नई दिल्ली। सिप्ला को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 1,222 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा (कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर यह 30 प्रतिशत बढ़ा है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 939 करोड़ रुपए था।

जनवरी-मार्च तिमाही में ऑपरेशन से कंपनी का रेवेन्यू 6,598 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में सिप्ला ने 6,082 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था। सालाना आधार पर यह 8.48 प्रतिशत बढ़ा है।

वस्तुओं और सेवाओं को बेचने से

मिली राशि को रेवेन्यू या राजस्व कहा जाता है। सिप्ला ने मंगलवार (13 मई) को जनवरी-मार्च तिमाही और सालाना नतीजे जारी किए हैं।

सिप्ला ने वित्त-वर्ष 2024-25 के लिए हर शेयर पर 13 रुपए फाइनल डिविडेंड यानी लाभांश देने का ऐलान किया है। कंपनियां अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा अपने शेयरहोल्डर्स को देती हैं, इसे डिविडेंड या लाभांश कहा जाता है।

क्या कंपनी के नतीजे उम्मीद से अच्छे हैं?

बाजार के जानकारों को उम्मीद थी कि वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में सिप्ला का मुनाफा करीब 1,023 करोड़ रुपए होगा। इस हिसाब से देखा जाए तो कंपनी ने मार्केट विश्लेषकों की उम्मीद से बेहतर परफॉर्म किया है।

सिप्ला का शेयर आज 0.42त्न की तेजी के साथ 1,518 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहा है। कंपनी का शेयर एक महीने में 2.5 प्रतिशत और 6 महीने में 1 प्रतिशत चढ़ा है। एक साल में कंपनी का शेयर 7 प्रतिशत चढ़ा है। सिप्ला का मार्केट कैप 1.22 लाख करोड़ रुपए है।

सिप्ला को अब्दुल हामिद ने 1935 में स्थापित किया था

सिप्ला लिमिटेड एक इंडियन मल्टीनेशनल फार्मास्यूटिकल कंपनी है। इस कंपनी को फाउंडर ख्वाजा अब्दुल हामिद ने 1935 में स्थापित किया था। कंपनी का हेडक्वार्टर मुंबई में है। सिप्ला के चेयरमैन यूसुफ हामिद हैं।

टाटा मोटर्स का चौथी तिमाही में मुनाफा 51 प्रतिशत कम हुआ, रेवेन्यू 0.53 प्रतिशत बढ़कर 1.19 लाख करोड़ रहा

नई दिल्ली। ऑटोमोबाईल कंपनी टाटा मोटर्स को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 8,470 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा (कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट) हुआ है। सालाना आधार पर यह 51.34 प्रतिशत कम रहा है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 17,407 करोड़ रुपए था।

जनवरी-मार्च तिमाही में ऑपरेशन से कंपनी का रेवेन्यू 1.19 लाख करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में टाटा मोटर्स ने 1.18 लाख करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था। सालाना आधार पर यह 0.53 प्रतिशत बढ़ा है।

वस्तुओं और सेवाओं को बेचने से मिली राशि को रेवेन्यू या राजस्व कहा

जाता है। टाटा मोटर्स ने आज मंगलवार (13 मई) को जनवरी-मार्च तिमाही और सालाना नतीजे जारी किए हैं।

चौथी तिमाही में टाटा मोटर्स की टोटल इनकम सालाना आधार पर 0.48त्न बढ़कर 1.21 लाख करोड़ रुपए रही। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी की टोटल इनकम 1.20 लाख करोड़ रुपए रही थी।

नतीजों में आम आदमी के लिए क्या?

कंपनी ने वित्त-वर्ष 2024-25 के लिए हर शेयर पर 6 रुपए फाइनल डिविडेंड यानी लाभांश देने का ऐलान किया है। कंपनियां अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा अपने शेयरहोल्डर्स को देती हैं, इसे डिविडेंड या लाभांश कहा जाता है।

कॉन्सोलिडेटेड मुनाफा मतलब पूरे ग्रुप का प्रदर्शन

कंपनियों के रिजल्ट दो भागों में आते हैं- स्टैंडअलोन और कॉन्सोलिडेटेड। स्टैंडअलोन में केवल एक यूनिट या सेगमेंट का फाइनेंशियल परफॉर्मेंस दिखाया जाता है। जबकि, कॉन्सोलिडेटेड या समेकित फाइनेंशियल रिपोर्ट में पूरी कंपनी का डेटा जारी होता है।

'राइजिंग राजस्थान' के निवेश समझौतों को समयबद्ध पूर्ण कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : भजनलाल शर्मा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के माध्यम से राजस्थान की देश-दुनिया में निवेश के एक प्रमुख केन्द्र के रूप में पहचान बनी है। समिट में हुए निवेश समझौतों के धरातल पर उतरने से राज्य की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इससे निजी क्षेत्र में 6 लाख से अधिक रोजगार के नए अवसर सृजित करने के संकल्प को भी बल मिलेगा।

शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राइजिंग राजस्थान समिट के तहत अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में हुए एमओयू के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राइजिंग राजस्थान के तहत हुए निवेश समझौतों को समयबद्ध धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। परियोजनाएं स्थापित करने में निवेशकों को सरकार का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने निवेशकों से कहा कि वे अपने प्रोजेक्ट्स स्थापित करने की संपूर्ण प्रक्रिया के लिए चरणबद्ध रूप से समय का निर्धारण करें और उन्हें तय अवधि में पूरा करें। उन्होंने कहा कि निवेशक अपने प्रोजेक्ट की प्रगति से समय-समय पर राज्य सरकार को अवगत कराएं। शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि निवेशकों और राज्य सरकार के सामंजस्य से परियोजनाएं समय पर मूर्त रूप लेंगी।

प्रत्येक परियोजना के लिए नियुक्त होंगे नोडल अधिकारी

मुख्यमंत्री ने निवेशकों से कहा कि सरकार और निवेशकों के बीच समन्वय के लिए प्रत्येक परियोजना के अनुसार एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। वे तय समय में परियोजना का पूर्ण होना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार प्रत्येक माह सभी प्रस्तावों के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा कर रही हैं। जिला कलेक्टर से लेकर मुख्य सचिव स्तर तक मॉनिटरिंग कर कार्यों को गति दी जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पवन, हाइब्रिड, बैट्री स्टोरेज और पम्प स्टोरेज परियोजनाओं के लिए भूमि आवंटन व कनेक्टिविटी के कार्यों को गति प्रदान करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में सरप्लस स्टेट बनाने के उद्देश्य की पूर्ति में नवीनीकरणीय ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार आगामी वर्षों में राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को 30 गीगावाट से बढ़ाकर 125 गीगावाट करने के लिए प्रयासरत है। सरकार सौर व पवन ऊर्जा आधारित परियोजनाओं के साथ पंप स्टोरेज तथा बैटरी स्टोरेज जैसे नवाचारों पर भी जोर दे रही है।

इस अवसर पर निवेशकों ने अपने एमओयू पर कार्यों की प्रगति को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा अनुरूप सभी परियोजनाओं को समयबद्ध और पारदर्शिता से धरातल पर उतारेंगे। निवेशकों ने अपने विभिन्न विषयों के समाधान पर मुख्यमंत्री की पहल पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में वर्तमान सरकार के समय निवेश के लिए बेहतरीन माहौल बना है।

अक्षय ऊर्जा से सम्बंधित एमओयू का क्रियान्वयन जारी

बैठक में बताया गया कि राइजिंग राजस्थान समिट के तहत 66.40 गीगावाट क्षमता की पवन तथा हाइब्रिड परियोजनाओं की स्थापना के लिए लगभग 4.23 लाख करोड़ रूपये के निवेश के 31 एमओयू हुए हैं। इनमें से 2 लाख करोड़ रूपये के निवेश के लिए 26 हजार 970 मेगावाट के 14 एमओयू की परियोजनाओं का पंजीकरण हो चुका है तथा 12 एमओयू के तहत कार्य की शुरूआत हो चुकी है। समिट के तहत बैट्री स्टोरेज परियोजनाओं के लिए 53 हजार 900 करोड़ रूपए के कुल 18 एमओयू हुए। इनमें बैट्री स्टोरेज मैन्यूफेक्चर्स के लिए 6 हजार 250 करोड़ रूपए के 5 और बैट्री स्टोरेज के लिए विकासकर्ताओं के साथ 47 हजार 650 करोड़ रूपए के 13 एमओयू हुए हैं।

पम्प भंडारण परियोजनाओं के लिए 1.52 लाख करोड़ रूपए के निवेश के साथ 20.5 गीगावाट के लिए 13 एमओयू हुए हैं। इनमें सीपीएसयू द्वारा 73 हजार 800 करोड़ रूपए के निवेश के लिए 6 हजार 940 मेगावाट की क्षमता के 4 एमओयू, निजी विकासकर्ता द्वारा 78 हजार 67 करोड़ रूपए के निवेश के लिए 13 हजार 600 मेगावाट की क्षमता के 9 एमओयू हुए हैं।

इस अवसर पर मुख्य सचिव, विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव सहित पवन, हाइब्रिड, पम्प स्टोरेज एवं बैट्री स्टोरेज परियोजनाओं से संबंधित निवेशक उपस्थित रहे।

जयपुर-दिल्ली सरकारी एसी बस का किराया 210 रुपए तक कम: सुपर लग्जरी की जगह अब डीलक्स बसें, सीटें छोटी, आराम भी कम

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। जयपुर-दिल्ली रूट पर ऑपरेट होने वाले राजस्थान रोडवेज की सुपर लग्जरी (वॉल्वो) बस सर्विस अब बंद कर दी गई है। मई महीने की शुरुआत से इनकी जगह अब एसी डीलक्स (2 बाय 2) बसें चलाई जा रही हैं।

दरअसल, दिल्ली सरकार की गाइडलाइन के अनुसार बीएस-6 मानक से नीचे की गाड़ियों की एंट्री पर रोक है। इसके कारण यह फैसला लिया गया। जयपुर से पहले रोजाना 7 लग्जरी बसें दिल्ली के लिए चलती थीं।

राजस्थान रोडवेज के डीलक्स आगार के मुख्य प्रबंधक हेमेन्द्र सिंह यादव ने बताया- विभाग के पास इस तरह की बसें 8 साल पुरानी थीं। दिल्ली सरकार की नई पॉलिसी के अनुसार पुरानी बसों को राजधानी में प्रवेश नहीं मिल रहा था। नई बीएस-6 बसें मिलने तक इस रूट पर डीलक्स बसें ही संचालित की जाएंगी। इनका किराया भी सुपर लग्जरी बस करीब 210 से 150 रुपए तक कम है। हालांकि, कंफर्ट को लेकर भी सवाल हैं।

अब 540 रुपए में एसी बस की सर्विस

हेमेंद्र यादव ने बताया कि जयपुर से डायरेक्ट दिल्ली के बीच चलने वाले एसी बस का किराए में करीब 150 रुपए का अंतर होगा। वहीं जो बस वाया अलवर होकर चल रही है उसका किराया 540 रुपए है। जबकि पहले यह 750 रुपए था।

जयपुर-दिल्ली रूट पर चलने वाली वॉल्वो बसों की बुकिंग अब आरएसआरटीसी की वेबसाइट पर भी बंद कर दी गई है। यात्रियों को फिलहाल डीलक्स या अन्य सामान्य एसी बसों से ही सफर करना होगा।

पशुपालन विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न, पंजीकृत पशुओं का बीमा यथाशीघ्र कराने के निर्देश

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। शासन सचिव पशुपालन, गोपालन और मत्स्य डॉ समित शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य स्तरीय मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में पशुपालन निदेशक तथा आरएलडीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ आनंद सेजरा, एसआइपीएफ के निदेशक कुशल तथा पशुपालन विभाग के वित्तीय सलाहकार मनोज शांडिल्य सहित विभाग के समस्त अतिरिक्त निदेशक तथा सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। जिलों के संयुक्त निदेशक तथा वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

मंगला पशु बीमा योजना के क्रियान्वयन में जारी किए जा रहे स्वास्थ्य प्रमाण पत्रों एवं बीमा की प्रगति की समीक्षा करते हुए डॉ शर्मा ने विभाग को पंजीकरण के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए बधाई दी और सभी पंजीकृत पशुओं का बीमा यथाशीघ्र कराने के निर्देश दिए जिससे पशुपालकों को योजना का जल्द से जल्द लाभ मिलना शुरू हो सकें। उन्होंने सर्वेयर कंपनी को जल्द से जल्द इस अंतर को कम करने का निर्देश दिया। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अभी से अधिकारियों को योजना बनाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर शासन सचिव डॉ समित शर्मा ने मोबाइल वेटरिनरी यूनिट के डुअल और हाइब्रिड मोड में संचालन की समीक्षा करते हुए पर्यवेक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने एमवीयू के पर्यवेक्षण के लिए गूगल शीट भरने के सख्त निर्देश जिलों को दिए। उन्होंने कहा कि एमवीयू के प्रभावी पर्यवेक्षण में अभी भी कमियां पाई जा रही हैं इसलिए इसका पर्याप्त निरीक्षण सुनिश्चित करें। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। कुछ जिले अच्छा काम कर रहे हैं उनसे परामर्श कर अपने कार्य में सुधार लाएं। पशु चिकित्सा संस्थानों में दवाओं की उपलब्धता और बिलों के भुगतान पर चर्चा करते हुए डॉ शर्मा ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में दवाइयों की उपलब्धता में कमी नहीं आनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक पशु चिकित्सा संस्थान में पर्याप्त संख्या में दवाइयां उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए कहा कि समय रहते उन्हें दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर दवाइयों की एक्सपायरी नहीं होनी चाहिए और दवाइयों का समुचित तथा समय पर उपयोग होना चाहिए। अगर किसी जिले में कोई दवा काम नहीं आ रही हो तो जिन जिलों में उसकी जरूरत है वहां भिजवाने की व्यवस्था करें। विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ सुरेश मीना ने बताया कि अप्रैल से जून तक की मांग संकलित कर क्रयादेश निदेशालय स्तर से जारी कर दिए गए हैं, फर्मों द्वारा निरंतर सप्लाई जारी है। सेक्स सॉर्टेड सीमन तकनीक के उपयोग की समीक्षा करते हुए डॉ समित शर्मा ने कहा कि यह पशुपालन के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम है जो पशुपालकों को चार गुना फायदा देगी। उन्होंने अधिकारियों से इस तकनीक के उपयोग की अब तक की प्रगति की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि अब तक प्रदेश में एक लाख डोजेज की सप्लाई आ चुकी है जो जिलों में वितरित कर दी गई हैं। परंतु अभी इनका उपयोग नहीं हो पा रहा है। अब तक केवल 679 सेक्स सॉर्टेड सीमन का उपयोग किया गया है। शासन सचिव ने इस काम में तेजी लाते हुए जल्द से जल्द इसका उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जिससे पशुपालकों को शीघ्र इसका लाभ मिल सके। एफएमडी टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए डॉ शर्मा ने कहा कि टीकाकरण का काम ठीक चल रहा है परंतु पशुधन एप पर इसका इद्रांज बहुत कम है जिससे काम का होना दिखाई नहीं दे रहा है। इस गैप को भरने का निर्देश देते हुए शासन सचिव ने उदयपुर संभाग के जिलों को टीकाकरण के काम तेजी लाने के सख्त निर्देश दिए जहां अभी लक्ष्य का पचास प्रतिशत उपलब्धि हासिल हुई है। डॉ शर्मा ने नवीन पशु चिकित्सा संस्थाओं हेतु पट्टों की उपलब्धता की प्रगति पर भी नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जिला कलक्टर्स से मिलकर इस संबंध में काम को गति दें। 500 उपकेंद्रों में से केवल 35 उपकेंद्रों के लिए पट्टे प्राप्त हुए हैं जो कि बहुत ही खेदजनक स्थिति है। डॉ शर्मा ने संस्थाओं के केपीआई आधारित 100 बिंदु रैंकिंग प्रणाली की प्रगति की समीक्षा करते हुए नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रणाली के अनुसार पिछले महीने जिलों का प्रदर्शन असंतोषजनक रहा है। ऐसी स्थिति दुबारा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने एक बार पुनः पशुपालन विभाग को ऊंचाई की ओर ले जाने में सभी से अपना योगदान देने का आग्रह किया। इस अवसर पर विभाग के निदेशक डॉ आनंद सेजरा ने सभी जिलों के संयुक्त निदेशकों से मासिक प्रगति रिपोर्ट निर्धारित सॉफ्टवेयर में ही भिजवाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हर ब्लॉक पर बीवीएचओ को मैन विथ मशीन और वाहन की सुविधा दी गई है परंतु जिलाधिकारी उसका उपयोग नहीं कर रहे हैं। सभी जिले यह व्यवस्था सुनिश्चित करें जिससे काम में गति और गुणवत्ता दोनों आएगी। बैठक में विभाग के अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति की प्रस्तुति दी।

राजस्थान में पुलिस-कॉन्स्टेबल के 10 हजार पदों पर भर्ती होगी :383 पद बढ़ाए गए, 12वीं पास कर चुके अभ्यर्थी आवेदन कर सकेंगे

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा की संशोधित विज्ञप्ति जारी की गई है। इसके बाद अब प्रदेश में कुल 10 हजार पदों पर पुलिस कॉन्स्टेबल की भर्ती की जाएगी। इससे पहले प्रदेशभर में 9 हजार 617 पदों पर पुलिस कॉन्स्टेबल की भर्ती करने का फैसला किया गया था। इसकी आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई थी।

मंगलवार को सरकार ने 383 पद बढ़ाए। इसके लिए 12वीं पास कर चुके अभ्यर्थी राजस्थान पुलिस की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर 17 मई तक ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। इसके बाद रिटर्न और फिजिकल के आधार पर अभ्यर्थी का सिलेक्शन किया जाएगा। इसे डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के बाद पोस्टिंग दी जाएगी।

दरअसल, बजट घोषणा में सरकार ने पुलिस कॉन्स्टेबल के पदों पर भर्ती का ऐलान किया था। इसके बाद पुलिस विभाग में भर्ती और पदोन्नति बोर्ड के अतिरिक्त महानिदेशक विपिन कुमार पांडेय ने आरएसी बटालियन, जयपुर और जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट के साथ ही प्रदेश के सभी पुलिस अधीक्षकों को लेटर भेजा था।

इसमें उन्होंने जिलेवार पुलिस कॉन्स्टेबल के रिक्त (खाली) चल रहे पदों की जानकारी मांगी थी। इसके बाद अब सरकार ने रिक्त पदों के आधार पर ही प्रदेशभर में 10 हजार पदों पर भर्ती करने का फैसला किया है। इसके तहत जिला यूनिट के साथ ही बटालियन में सामान्य कॉन्स्टेबल, ड्राइवर, बैंड, ऑपरेटर के पदों पर भर्तियां की जाएंगी।

ऐसे होगा सिलेक्शन

राजस्थान के पुलिस विभाग में कॉन्स्टेबल के 10 हजार पदों पर भर्ती रिटन टेस्ट, फिजिकल टेस्ट और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के आधार पर की जाएगी। रिटन टेस्ट में शॉर्टलिस्ट अभ्यर्थियों को फिजिकल टेस्ट के लिए बुलाया जाएगा। फिजिकल टेस्ट क्लियर करने वाले अभ्यर्थियों को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए बुलाया जाएगा। उसके बाद फाइनल मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी।

सीईटी सेकेंडरी लेवल पास कर सकेंगे आवेदन

कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा में समान पात्रता परीक्षा सेकेंडरी लेवल पास करने वाले अभ्यर्थी ही आवेदन कर सकेंगे। पिछले दिनों कर्मचारी चयन बोर्ड ने सीईटी का आयोजन किया था। इस परीक्षा के पात्र अभ्यर्थी ही अब भविष्य में होने वाली कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं।

आयु सीमा

भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए उम्मीदवार की उम्र 18 से 28 साल होना जरूरी है। वहीं, आरक्षित श्रेणी को 28 साल से ज्यादा का होने पर भी भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने की छूट दी जाएगी।

राजभवन में छत्रपति संभाजी महाराज जयंती समारोह आयोजित

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजभवन में मंगलवार को छत्रपति संभाजी महाराज जयंती उत्सव समारोह पूर्वक मनाया गया। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इस दौरान नासिक से आई उनकी अश्व सवार भव्य प्रतिमा और शोभायात्रा का भाव भरा अभिनंदन किया। दिल्ली में जन्म जयंती मनाने के अंतर्गत मंगलवार को छत्रपति संभाजी महाराज की अश्व सवार प्रतिमा संग शोभा यात्रा राजभवन पहुंची थी।

राज्यपाल बागडे ने शोभायात्रा का अभिनंदन करते हुए उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने उनकी प्रतिमा की राजभवन में विधिवत पूजा अर्चना की और कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज धर्माभिमानी थे। उन्होंने औरंगजेब के जुल्म सहे परन्तु राष्ट्र के स्वाभिमान से कभी समझौता नहीं किया। राज्यपाल ने छत्रपति संभाजी महाराज को देश धर्म पर मिटने वाला बताते हुए कहा कि उनका समग्र व्यक्तित्व प्रेरणा देने वाला है। वह शिवा का छावा थे। राष्ट्र के गौरव और औरंगजेब द्वारा धर्म परिवर्तन के प्रलोभन अस्वीकार कर उन्होंने अपने प्राण देश और धर्म पर न्योछावर कर दिए। इससे पहले नासिक से शोभायात्रा राजभवन पहुंचने पर उनकी भावभीनी अगवानी की गई।

राजस्थान की आटा मिलें खतरे में, सरकार से टैक्स हटाने की गुहार

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। राजस्थान की आटा मिलों पर बड़ा संकट आ गया है! यहां आटा, मैदा और सूजी पर जो फालतू टैक्स लग रहा है, उसकी वजह से करीब 80 फीसदी मिलें बंद होने की कगार पर हैं। दरअसल, राजस्थान में आटा मिलों को 1.60 फीसदी मंडी टैक्स और 0.5 प्रतिशत किसान कल्याण शुल्क देना पड़ रहा है। इसकी वजह से उनकी लागत बढ़ जाती है। वहीं, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और गुजरात जैसे राज्यों में ऐसा कोई टैक्स नहीं है। इसलिए वहां का आटा-मैदा राजस्थान में 80 से 100 रुपए प्रति क्विंटल सस्ता बिक रहा है। इस वजह से राजस्थान की मिलें उनसे मुकाबला नहीं कर पा रही हैं।

हालत यह है कि राजस्थान की मिलों को 2700 रुपए प्रति क्विंटल में गेहूं खरीदना पड़ रहा है, जबकि मैदा 2800 रुपए प्रति क्विंटल में बिक रहा है। यानी, जितना खर्चा आ रहा है, उतना ही या उससे भी कम में बेचना पड़ रहा है।

राजस्थान रोलर फ्लोर मिल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष गोविन्द ग्रोवर और जोधपुर के बड़े कारोबारी पंकज लोढ़ा जैसे लोगों ने सरकार को कई बार इस बारे में बताया है, लेकिन सरकार ध्यान ही नहीं दे रही है। विनायक ट्रेडिंग के सतीश मोदी का कहना है कि अगर सरकार ने जल्दी कोई फैसला नहीं लिया, तो बाकी बची आटा मिलें भी बंद हो जाएंगी।

प्रदेश के सभी मिल मालिकों ने मिलकर सरकार से मांग की है कि राजस्थान की आटा मिलों को मंडी टैक्स और किसान कल्याण शुल्क से तुरंत छुटकारा दिलाया जाए, ताकि ये मिलें फिर से चल सकें। उनका कहना है कि अगर सरकार ने उनकी बात नहीं सुनी तो हजारों लोगों का रोजगार छिन जाएगा और प्रदेश में आटे-मैदे की कीमतें भी बढ़ सकती हैं।

जन-जन तक पहुंचे राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ : उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

जयपुर। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने सोमवार को फागी पंचायत समिति में उपखण्ड स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने सभी विभागों के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश दिये। बैठक में डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि अधिकारी क्षेत्र के लंबित विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करें एवं स्वच्छ भारत मिशन, स्वामित्व योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य विभागीय फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। उप मुख्यमंत्री ने फागी विकास अधिकारी से पंचायत समिति में प्रक्रियाधीन और निर्माणाधीन कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने सहायक अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग को उपखण्ड में चल रहे सड़कों निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करवाने के निर्देश दिये। जेवीवीएनएल के सहायक अभियंता से उपखण्ड में बिजली आपूर्ति की रिपोर्ट लेकर स्थगन व अन्य कारणों की वजह से लंबित कृषि कनेक्शनों को आपसी समझाइश से पूरा करने, विद्युत कनेक्शनों से वंचित घरों में कनेक्शन करने एवं पीएम सूर्य घर योजना के बारे में लोगों को जागरूक कर अधिक से अधिक लोगों को सौर ऊर्जा से लाभान्वित करने के निर्देश दिये। उन्होंने पीएचईडी के सहायक अभियंता से क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति की जानकारी लेकर खराब हैंडपंपों को सही करने, कुओं को चालू करने एवं पानी की नियमित आपूर्ति करने के निर्देश दिये। अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका, फागी से नगर पालिका के कार्यों की समीक्षा कर कस्बे में विकास कार्य, कस्बे के सौंदर्यकरण एवं प्रधानमंत्री आवास योजना से जरूरतमंदों को लाभान्वित करने तथा फागी कस्बे में नियमित रूप से साफ-सफाई कर कचरे के निस्तारण के निर्देश दिये।

उप मुख्यमंत्री ने ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी से उपखण्ड के सभी अस्पतालों की स्थिति की समीक्षा कर प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना का सभी पात्रों को लाभ दिलवाने, गर्मी के मौसम के मध्यनजर मेडिकल टीमों का गठन कर लागों की नियमित जांच कर आवश्यक दवाइयां देने के निर्देश दिये । उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी जयपुर को उप जिला अस्पताल, फागी में सोनोग्राफी के चिकित्सक के रिक्त पद को भरने के निर्देश दिए। उन्होंने उपखण्ड अधिकारी को हर सप्ताह बैठक आयोजित कर सभी विभागों की प्रगति रिपोर्ट से अवगत करवाने के निर्देश दिये।

छठी इंद्रिय का सहारा आवश्यक

एसके मंगल

अवचेतन मन यानि छठी इंद्रिय सोते समय या आराम के दौरान समस्याओं का समाधान निकाल सकता है, जैसे अचानक कोई विचार ÷क्लिक÷ करना। लेखन, कला, या आविष्कार जैसे रचनात्मक कार्यों में अवचेतन की बड़ी भूमिका होती है। बार-बार सकारात्मक वाक्य दोहराने से अवचेतन में नए विश्वास बनते हैं। जैसे मैं आत्मविश्वासी हूं। सफलता या लक्ष्य की मानसिक छवि बनाना अवचेतन को प्रेरित करता है। ध्यान और हिप्नोसिसकी तकनीकें अवचेतन तक गहराई से पहुंचने में मदद करती हैं। नई आदतें शुरू करने से अवचेतन में बदलाव आता है। उदाहरणार्थ रोज व्यायाम करने की आदत। नकारात्मक विचार, लोगों या मीडिया से दूरी बनाकर अवचेतन को सकारात्मक रखा जा सकता है। मनोविज्ञान में अवचेतन को अचेतन के रूप में अध्ययन किया जाता है। कई मनोवैज्ञानिकों ने इसके महत्व को रेखांकित किया। हालांकि, अवचेतन की कुछ धारणा वैज्ञानिक रूप से सिद्ध नहीं हैं और अक्सर अंधविश्वास से जुड़ी हो सकती हैं। छठी इंद्री को अक्सर अवचेतन मन का ही एक हिस्सा माना जाता है। यह पर्यावरण से सूक्ष्म संकेतों को पकड़कर त्वरित निर्णय लेता है, जो अहसास के रूप में सामने आता है। जैसे किसी व्यक्ति को देखकर ÷विश्वास नहीं होता÷ महसूस करना, क्योंकि अवचेतन ने उसकी बॉडी लैंग्वेज या टोन में कुछ असंगति पकड़ी। अवचेतन नकारात्मक विश्वासों जैसे मैं अयोग्य हूं को भी आसानी से ग्रहण कर सकता है। इसे सकारात्मक दिशा में रखना जरूरी है। अवचेतन के प्रभाव को अलौकिक शक्ति समझने की गलती नहीं करनी चाहिए। यह एक जैविक और मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है। महत्वपूर्ण निर्णयों में अवचेतन के साथ-साथ तार्किक विश्लेषण भी जरूरी है। अवचेतन मन जीवन का शक्तिशाली और गहरा हिस्सा है, जो व्यवहार, विश्वास और निर्णयों को आकार देता है। इसे समझने और सकारात्मक रूप से उपयोग करने से आत्म-सुधार, रचनात्मकता और मानसिक स्वास्थ्य में लाभ हो सकता है।

सिविल डिफेंस टीम द्वारा आकाश इंस्टीट्यूट बारां में मॉक ड्रिल कर छात्रों को दिया गया प्रशिक्षण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बारां । शहर के मेलखेड़ी रोड स्थित आकाश इंस्टीट्यूट बारां में मंगलवार को सिविल डिफेंस टीम द्वारा एक मॉक ड्रिल का आयोजन कर अध्यनरत छात्र एवं छात्राओं को प्रशिक्षण देते हुए आपदा एवं विषम परिस्थितियों में आत्मसुरक्षा एवं बचाव के गुर सिखाए गए । इस मॉक ड्रिल के माध्यम से आपदा प्रबंधन, आग लगने की स्थिति, और अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में कैसे सुरक्षित रहना है, इस बारे में छात्र - छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया । सिविल डिफेंस टीम ने छात्रों को आपदा की स्थिति में सतर्कता, धैर्य और समन्वय के महत्व के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि किसी भी आपदा की स्थिति में सही समय पर सही निर्णय लेना कितना जरूरी होता है। मॉक ड्रिल के दौरान छात्रों ने आपातकालीन निकासी प्रक्रिया को व्यवहार में सीखने का अवसर प्राप्त किया । इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वास्तविक परिस्थितियों में सक्षम बनाना तथा उनमें आत्मविश्वास विकसित करना था। संस्थान के प्रबंधन और छात्र-छात्राओं ने सिविल डिफेंस टीम का आभार व्यक्त किया और ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की निरंतर आवश्यकता पर बल दिया।

राजस्व प्राप्ति के लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति सुनिश्चित की जाएं - जिला कलक्टर

जिले के राजस्व अधिकारियों की बैठक हुई सम्पन्न

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । जिले के राजस्व अधिकारियों की बैठक मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलक्टर अक्षय गोदारा की अध्यक्षता में आयोजित हुई । जिला कलक्टर ने राजस्व मामलों के निस्तारण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि शत-प्रतिशत टारगेट रखें। उन्होंने निर्देश दिए कि नायब तहसीलदार, संबंधित विकास अधिकारी व जिला रसद अधिकारी कॉर्डिनेशन रखें। उपखंड अधिकारी जो लाभ ले चुके हैं, ऐसे एनएफएस के पुराने आवेदन खारिज करें ।

जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि एससी, एसटी की भूमि पर अवैध हस्तानांतरण के मामलों का निपटारा करें। उन्होंने निर्देश दिए कि एनएफएसए की पेडिंग रिपोर्ट शीघ्र भिजवाएं, इसको प्राथमिकता देते हुए कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिये कि समस्त विकास अधिकारी श्मशान के प्रस्ताव भिजवाए ।

जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि भूमि अवाप्ति के प्रकरणों में सभी संबंधित अधिकारी आवश्यक कार्यवाही करते हुए प्रगति लाएं। राजस्व अधिकारी गैर खातेदारी से खातेदारी, 251, 183 बी के प्रकरणों के निस्तारण के लिए संबंधित क्षेत्र के पटवारियों के साथ बैठक लेकर इनका निस्तारण सुनिश्चित करें । उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्व अधिकारी राजस्व वसूली के लक्ष्य अर्जित करने की दिशा में विशेष प्रयास करें एवं राजस्व प्रकरणों का शत-प्रतिशत निस्तारण करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि सीएमओ, संपर्क पोर्टल, स्टार प्रकरण, लोकायुक्त सचिवालय से प्राप्त पत्रों का समय पर निस्तारण हों। उन्होंने निर्देश दिए कि पंजीयन एवं मुद्रांक वसूली प्रकरणों में प्रगति लाई जाए और मौका निरीक्षण बढाएं। ऑनलाइन म्यूटेशन के प्रकरणों का जल्द निस्तारण हों। इजराय के प्रकरणों में सभी उपखण्ड अधिकारी (राजस्व अधिकारी) और तहसीलदार निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करें ।

राजस्व से संबंधित कार्य के महत्व को देखते हुए बकाया प्रकरणों के निस्तारण व लक्ष्य अर्जित करने की कार्यवाही समय पर करें । उन्होंने गैर खातेदारी से खातेदारी, नामांतरण, सीमाज्ञान, नाम शुद्धीकरण, रास्ते संबंधी, पत्थरगढ़ी, राजस्व वसूली, फौजदारी प्रकरण, इजराय, सीलिंग प्रकरण, भू-राजस्व अधिनियम की विभिन्न धाराओं एवं भूमि रूपांतरण के प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर सम्पादित करने के निर्देश दिए । उन्होंने कहा कि मोटर दुर्घटना प्रकरणों एवं आर्थिक सहायता प्रकरणों का निस्तारण प्राथमिकता से किया जावें। उन्होंने गिरदावरी एवं जन आधार सीडिंग में विशेष प्रयास करके प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बकाया पेंशन, 16 व 17 सीसी चार्जशीट के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को नियमानुसार निस्तारण करने के निर्देश दिए।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर सुदर्शन सिंह तोमर, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा, एसडीएम बून्दी एचडी सिंह, एसडीएम हिण्डोली शिवराज मीणा, एसडीएम लाखेरी भावना सिंह, सीएमएचओ डॉ. ओपी सामर, प्रशिक्षु आरएएस सीमा मीणा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहें ।

बूंदी केमिस्ट एसोसिएशन द्वारा जिला अस्पताल को 6 बड़े कूलर प्रमुख चिकित्सा अधिकारी प्रभाकर विजय को भेट किए

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । जिला औषधि नियंत्रक अधिकारी रोहिताश्व नागर और निशांत बघेरवाल के मार्गदर्शन और सहयोग से बूंदी के सभी दवा विक्रेता भाइयों के समर्थन से बूंदी केमिस्ट एसोसिएशन द्वारा जिला अस्पताल को मरीजों की सेवार्थ 6 बड़े कूलर प्रमुख चिकित्सा अधिकारी प्रभाकर विजय को भेट किए । इस मौके पर जिला केमिस्ट एसोसिएशन अध्यक्ष अशोक जैन , पवन गौतम, महेंद्र पांचाल, पीयूष जैन ,सुबोध शर्मा , सुरेश जैन सहित केमिस्ट एसोसिएशन के सदस्य मौजूद रहे ।

एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम : विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश में बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को मिलेगी एनीमिया की नियमित खुराक : डॉ. सामर

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूँदी । एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत जिला बूँदी में 6 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों एवं किशोर-किशोरियों में एनीमिया की रोकथाम हेतु आयरन फोलिक एसिड (आईएफए) की नियमित खुराक प्रदान की जा रही है। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों में हिमोग्लोबिन के स्तर में सुधार कर उनकी शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है। अभियान के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान भी बच्चों एवं किशोर-किशोरियों को नियमित रूप से एनीमिया की खुराक दी जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ पी सामर ने बताया कि राज्य स्तर से प्राप्त निर्देशों के अनुसार विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश होने के कारण बच्चों को आईएफए की खुराक निरंतर देने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाई गई है। इसके लिए विद्यालय प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों, स्वच्छता एवं पोषण समिति के सदस्यों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा सहयोगिनियों तथा स्वास्थ्यकर्मियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी ।

सीएमएचओ डॉ. ओ पी सामर ने बताया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान घरों में सेवन करने के लिए कक्षा 1 से 5वीं तक तथा कक्षा 6वीं से 12वीं तक अध्ययनरत विद्यार्थियों को आईएफए की गुलाबी गोली एवं आईएफए नीली गोली का साप्ताहिक सेवन (अनुपूरण) सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रजजन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं। एनीमिया की व्यापकता को देखते हुए ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान ग्राम पंधान/सरपंच अन्य स्थानीय धर्म गुरुओं, स्वयं सहायता समूहों, पंचायती राज संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चित कर सीएचओ, एएनएम, आशा सुपरवाइजर, आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकर्ता द्वारा पोषण सत्रों का आयोजन कर समुदाय के साथ संवाद स्थापित किया जाए। गृह भ्रमण के दौरान हितग्राहियों द्वारा आईएफए की गोली सेवन की निगरानी सुनिश्चित की जाए। आईएफए की गुलाबी गोली एवं नीली गोली की स्ट्रिप की अनुपलब्धता की स्थिति में आंगनबाड़ी केन्द्र/आयुष्मान आरोग्य मंदिर से बच्चे की आयु अनुसार आईएफए की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ।

डॉ. सामर ने बताया कि आयरन की गुलाबी अथवा नीली गोली का सेवन प्रत्येक मंगलवार को भोजन के एक घंटे बाद किया जाए। आयरन की पूरी एक गोली का सेवन पानी या सम्भवत⚠ नींबू पानी के साथ निगलकर किया जाए। भोजन तथा आयरन की गोली में उपलब्ध आयरन अवशोषण हेतु भोजन के एक घंटे पूर्व एवं एक घंटे उपरांत चाय, काफी, दूध एवं सोडा युक्त पेय पदार्थों का सेवन किया जाए। उन्होंने बताया कि भोजन में विटामिन-सी युक्त फल एवं सब्जियों जैसे नींबू, अमरुद, आंवला, संतरा, हरी मिर्च, धनिया आदि को सम्मिलित करें, जिससे आयरन के अवशोषण में मदद मिले ।

हज़ारों लाइक की भीड़ में अकेले होते रिश्ते, वाई-फाई के सिग्नल से जोड़ दिया है रिश्तों की गहराई को

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

सवाई माधोपुर। वर्तमान का समय डिजिटल एवं तकनीकी का युग है, इस तकनीकी के युग दुनिया स्मार्टफोन की रफ्तार से चल रही है। हर सुबह ''गुड मॉर्निंग'' के मेसेज से होती है और हर रात इंस्टाग्राम रील्स पर खत्म। एक समय था जब रिश्ते संवाद से बनते थे, मुलाकातों में पनपते थे और तकरारों के बाद भी दिल के तार जुड़े रहते थे। आज का समय अलग है। हम लोगो से जुड़ते जा रहे हैं लेकिन स्क्रीन पर, लेकिन दिलों से, जुबान से और असल ज़िंदगी से हम धीरे-धीरे दूर हो रहे हैं। अब रिश्तें ममद और ज्लचपदह जैसे शब्दों में सीमित हो गए हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट, लाइक और कमेंट्स के बीच असली अपनापन कहीं खो गया है। सोशल मीडिया एक ऐसा रंगीन आईना बन चुका है, जिसमें हम सब अपनी सबसे सुंदर तस्वीरें दिखाते हैं, लेकिन दिल की दरारें छुपा लेते हैं। फेसबुक अन्य सोशल मीडिया पर हजारों, लाखों की संख्या में दोस्त हैं, लेकिन ज़रूरत के समय एक भी हाथ थामने वाला नहीं मिलता। आपकी पोस्टों पर हज़ारों लाइक्स तो मिलते हैं, लेकिन मन की बात सुनने वाला कोई नहीं होता। एक समय था जब रिश्ते चिट्ठियों, पत्रों में जिया करते थे, रिश्तों को इंतज़ार में परखा करते थे और मुलाकातों में महकते थे। आज के समय में रिश्ते इंस्टा, व्हाट्सएप स्टोरी में सीन होकर खत्म हो जाते हैं। किसी की तस्वीर पर दिल या लाईक वाला इमोजी भेजना अब भावनाओं की अभिव्यक्ति माना जाता है। लेकिन सवाल इस बात का है कि क्या ये वाकई जुड़ाव है।

जब असली जुड़ाव स्क्रीन के पीछे छुप जाए

वर्तमान समय में देश का अधिकतर युवा पीढ़ी हर दिन औसतन 4 से 6 घंटे सोशल मीडिया पर बिताते हैं। यही समय वो अपने परिवार, दोस्तों या खुद से जुड़े पल जीने में नहीं दे पाते। आखिर में नतीजा मानसिक दूरी, भावनात्मक अकेलापन और रिश्तों में खोखलापन का निकलता है। व्यक्ति मानसिक रूप से कमजोर हो जाता है। इसके लिए जरूरी है रिश्तों में गहराई, संवाद में संवेदना, साथ में अपनो के लिए समय और सबसे ज़रूरी रिश्तों में वास्तविक अपनापन। जैसे ही नेटवर्क जाता है, कनेक्शन टूट जाता है और यहीं हाल अब मानवीय रिश्तों का हो गया है। जो पास हैं, वो दूर हो जाते हैं क्योंकि हम दूर वालों को 'स्टोरी में टैग' करने में व्यस्त हैं। पहले लोग अपनों की आंखों में देख कर हाल-ए-दिल कहा करते थे, अब लोग उस 'फील' को इमोजी में समेटने की कोशिश करते हैं। रिश्तों की गर्माहट अब वाई-फाई की स्पीड पर निर्भर करती है।

राजेश खोईवाल भारतीय पत्रकार महासभा के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । भारतीय पत्रकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हसनैन जाफरी कि सहमति से प्रदेश अध्यक्ष नईम अली ने बूंदी निवासी राजेश कुमार खोईवाल की पत्रकारिता के क्षेत्र में की जा रही मेहनत निष्ठा व लगन को देखते हुवे भारतीय पत्रकार महासभा राजस्थान प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है । खोईवाल से आशा की जाती है की जल्द अपने क्षेत्र व राजस्थान प्रदेश में कार्यकारिणी बनाने में सहयोग कर पत्रकारों के हित में कार्य कर पत्रकारों की आवाज को सरकार व प्रशासन तक निडरता से पहुंचाने मे सहयोग करें । राजेश खोईवाल की नियुक्ति से राजस्थान प्रदेश में हर्ष की लहर दौड़ी एवं पत्रकारों को मजबूती मिलेगी! राजेश कुमार खोईवाल ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त कर कहा कि एवं संगठन द्वारा दी गई जिम्मेदारी को ईमानदारी से संगठन की रीति नीति से संगठन के विस्तार के लिए कार्य करते रहेंगे एवं नये लोगों को संगठन में जोड़कर संगठन को मजबूती प्रदान करने की बात कही ।

सिविल डिफेन्स वॉलंटियर बनकर समाज की करें सेवा

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

सवाई माधोपुर । युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के माय भारत इनीशिएटिव के अंतर्गत आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा माय भारत पोर्टल (उलईींतंजण्हवअण्पद) के माध्यम से सिविल डिफेन्स वॉलंटियर के रूप में कार्य करने हेतु इच्छुक युवाओं का डाटाबेस बनाया जा रहा है ।

यह डाटाबेस आपातकाल परिस्थितियों में सहयोग हेतु संबंधित प्रशासन के साथ शेयर किया जाएगा। आपातक़ालीन परिस्थितियों में सिविल डिफेन्स वॉलंटियर फायर सर्विस, पुलिस, अस्पतालों और आपातकालीन सेवाओं में मदद करके अपने शहर के असली हीरो बन सकते हैं, साथ ही देश सेवा में अपना योगदान दे सकते हैं। हाल ही में चली मॉक ड्रिल्स, ब्लैकआउट इसके उदाहरण हैं। भारत सरकार की युवाओं से अपील करती है कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और सिविल डिफेन्स वॉलंटियर बनकर समाज की सेवा करें। पंजीकरण के लिए युवा को माय भारत पोर्टल पर जाकर सिविल डिफेन्स वालंटियर का फॉर्म भरना होगा। पंजीकरण में किसी भी समस्या के लिए माय भारत टोल फ्री नंबर 18002122729 अथवा जिला नेहरू युवा केंद्र कार्यालय या संबंधित एनएसएस यूनिट में संपर्क कर सकते है। आइए, मिलकर एक सुरक्षित और मजबूत भारत बनाने में अपनी भागीदारी दें।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव समीक्षा गौतम ने जिला जेल का निरीक्षण कर जांची व्यवस्थाएं

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

सवाई माधोपुर । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार मंगलवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर की सचिव समीक्षा गौतम द्वारा जिला जेल सवाई माधोपुर का साप्ताहिक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान सचिव समीक्षा गौतम द्वारा जेल में निरूद्ध बंदियों से मुलाकात कर अपने मुकदमों की पैरवी हेतु अधिवक्ता की उपलब्धता के बारे में पूछताछ की गई एवं उनकी समस्याओं को सुना गया । साथ ही शिकायत पेटिका को खोलकर बंदियों द्वारा की जाने वाली शिकायतों के संबंध में जांच की गई।

निरीक्षण के दौरान बंदियों द्वारा उनकों प्रदान मूलभूत सुविधाओं के संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं की गई। सचिव समीक्षा गौतम द्वारा उपस्थित बंदियों को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर जेल विजिटिंग लॉयर एवं अधिकार मित्र को अपनी समस्या के बारे में सूचित करने के संबंध में जानकारी प्रदान की गई । सचिव समीक्षा गौतम ने मौके पर उपस्थित जेलर महावीर प्रसाद मीना से बंदियों को प्रदान भोजन, पेयजल, चिकित्सकीय सुविधाओं तथा बैरकों एवं कारागृह परिसर की सफाई व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली गई। सचिव समीक्षा गौतम द्वारा जेलर महावीर प्रसाद मीना को जेल मैनुअल के अनुसार सभी बंदियों को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने तथा जेल से संबंधित सभी रजिस्टरों को नियमित रूप से अपडेट करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये गये। निरीक्षण के दौरान कारागृह में कुल 88 बंदी उपस्थित पाये गए। दौराने निरीक्षण सचिव समीक्षा गौतम द्वारा कारागृह परिसर में स्थित प्रिजन लीगल एड क्लीनिक का विजिट कर जेल विजिटिंग लॉयर एवं जेल विजिटिंग अधिकार मित्र द्वारा जेल में निरूद्ध बंदियों को प्रदान निःशुल्क विधिक सहायता के संबंध में की गई कार्यवाही के संबंध में पूछताछ की गई एवं उपस्थित बंदीजन को बंदियों एवं विधि से संघर्षरत किशोरों के कल्याण की योजना, नालसा टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100, नालसा पोर्टल आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई । निरीक्षण के दौरान डिप्टी लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल (न्याय रक्षक) वीरेन्द्र कुमार वर्मा, असिस्टेंट लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल (न्याय रक्षक) अक्षय सिंह राजावत, डॉ. मनोज गर्ग, कंपाउंडर अशोक मीना, अधिकार मित्र रणवीर चौधरी एवं जेल स्टाफकर्मी उपस्थित रहे ।

एसडीआरएफ टीमों द्वारा राज्य के बूंदी जिले सहित कस्बों शहरों में हवाई हमले आपदा के मध्यनजर मॉक ड्रील कर जन-जागरूकता कार्यक्रमों का किया आयोजन

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । सिंह सिसोदिया कमाण्डेन्ट, एसडीआरएफ, राजस्थान, जयपुर ने बताया कि राज्य के सीमावर्ती जिलों श्रीगंगानगर, हनुमानगढ, बीकानेर, बाडमेर, जैसलमेर, जोधपुर, बालोतरा, फलोदी में एसडीआरएफ की 15 टीमें तैनात है। इनके अलावा एसडीआरएफ कम्पनी मुख्यालयों जयपुर, अजमेर, कोटा, भरतपुर, उदयपुर पर 26 रेस्क्यू टीमें अलर्ट मोड पर है, जो किसी भी आपदा की स्थिति से निपटने हेतु तैयारी हालत में है। राज्य आपदा प्रतिसाद बल की समस्त रेस्क्यू टीमों का नियन्त्रण एवं पर्यवेक्षण जयपुर स्थित कन्ट्रोल रूम द्वारा किया जा रहा है। राज्य आपदा प्रतिसाद बल, राजस्थान की रेस्क्यू टीमों द्वारा निरन्तर राज्य के महत्वपूर्ण, सार्वजनिक, राजकीय स्थानों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, तीर्थस्थलों, उद्यानों, रेल्वे स्टेशनों, बस अड्डों, हवाई अड्डों, अस्पतालों इत्यादि स्थानों पर स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर मॉक-ड्रील एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर नागरिकों को किसी भी आपदा या हवाई हमलों की स्थिति में तैयार रहने एवं उपयोग में ली जाने वाली आवश्यक कार्यवाहियों के बारे में जागरूक किया जा रहा है । राज्य आपदा प्रतिसाद बल, राजस्थान द्वारा दिनांक 07.05.2025 से अब तक 29 मॉक ड्रील तथा 71 जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा चुका है, जो निरन्तर जारी है। एसडीआरएफ टीमों द्वारा दिनांक 13.05.2025 को राज्य के निम्नांकित कस्बों / शहरों में हवाई हमले / आपदा के मध्यनजर मॉक ड्रील / जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया । रामेश्वरम पब्लिक सीनियर सैकेण्डरीस्कूल, लालचन्दपुरा, निवारू रोड जयपुर, बटालियन मुख्यालय, चैनपुरा जयपुर, रेल्वे स्टेशन कापरेन बून्दी, ग्राम गुडली केशोरायपाटन बून्दी,गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र भरतपुर,गुरू गोविन्द सिंह सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, चेतक सर्किल उदयपुर, ग्राम मुहामी अजमेर, एन0आई0एफ0टी0 कॉलेज, करवड जोधपुर, पी0एम0 अमर शहीद सागरमल गोपा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जैसलमेर,ग्राम उदारामसर बीकानेर मॉक ड्रील में हवाई हमले के दौरान रेस्क्यू टीमों द्वारा की जाने वाली कार्यवाही क्षतिग्रस्त भवनों को सुरक्षित करना, घायलों को क्षतिग्रस्त इमारतों से बाहर निकालना एवं प्राथमिक उपचार देकर अस्पताल भिजवाना इत्यादि का अभ्यास किया गया तथा जन-जागरूकता कार्यक्रम में हमले के दौरान आमजन द्वारा स्वयं एवं परिजनों को किस प्रकार सुरक्षित रखा जाये की जानकारी दी गई।

शहरभर में गूँजे शिव गोरक्ष के जयकारे, गोरक्षनाथ अक्षय जयंती पर भगवामय हुई छोटीकाशी

गोरक्षपूर्णिमा पर नाथ योगी समाज के 21 जोड़ो का निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन हुआ

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बूंदी । गोरक्षसेना संस्थान, राजस्थान के तत्वाधान में गोरक्षपूर्णिमा पर नाथ योगी समाज की विशाल शोभायात्रा व कलशयात्रा निकाली गई, जो पुरानी धानमंडी से गुरु गोरक्षनाथ जी की महाआरती के साथ प्रारम्भ हुई व शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए लंका गेट, खोजा गेट, अहिंसा सर्किल, सर्किट हाउस से होते हुए देवपुरा स्थित निजी रिसोर्ट(होटल आनंदी) में संपन्न हुई, गोरक्षनाथ प्राक्ट्य उत्सव पर महाकाल की भस्म आरती मुख्य आकर्षण का केंद्र रही, समाजबंधुओं में उत्साह देखते ही बन रहा था, डीजे की धुन पर नाचते गाते हुए योगीजन एवं शिव गोरक्ष के जयकारों के साथ दूर-दराज़ से पधारे साधू-संतों ने माहौल भगवामय कर दिया। रैली का पग-पग पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। शोभायात्रा के पश्चात् कार्यक्रम स्थल पर 21 जोड़ो का निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन हुआ । सायंकालीन कार्यक्रम में सामाजिक मंच पर आयोजन में योगदान देने वाले समाज के सभी भामाशाहों का माल्यार्पण व साफा पहना कर सम्मानित किया गया एवं ततपश्चात 21 जोड़ो का वर माला का कार्यक्रम हुआ, उसके बाद पाणिग्रहण संस्कार हुआ। आयोजन में अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री अशोक चांदना, विधायक हरिमोहन शर्मा, पूर्व विधायक अशोक डोगरा, सभापति सरोज अग्रवाल, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सुरेश अग्रवाल व अन्य शामिल रहे। आयोजन में पंच मुखी महादेव की झांकी की भव्य प्रस्तुति हुई एवं रामेष्ठ योग ने (टीम भूपेन्द्र योगी) ने कलात्मक योग प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संचालन कोटा जिलाध्यक्ष नरेश योगी व संस्थापक सदस्य ओम योगी एडवोकेट ने किया। गोरक्षसेना संस्थान की ओर से वर वधुओं को पलंग, गद्दा,तकिये,25 बर्तन एवं अन्य उपहार दिए, वहीं समाजबन्धुओ ने वधु की कन्यादान थाली में चांदी की चुटकीयां, कुर्सियां,टिफिन सेट, पानी की बॉटल, कंबल, चांदी की चुटकीयां, पानी की टंकी, गोरक्षनाथ जी की तस्वीरें इत्यादि भेंट की। आयोजन में गोरक्षसेना प्रदेशाध्यक्ष पप्पूनाथ योगी, बूंदी जिलाध्यक्ष कैलाश योगी, प्रदेश उपाध्यक्ष अमरलाल योगी, कोषाध्यक्ष हरिशंकर योगी, जिला सचिव सुरेश योगी, संस्थापक सदस्य प्रेमशंकर योगी,नाथ समाज बूंदी जिलाध्यक्ष नंदलाल योगी, मध्यप्रदेश से गुरु गोरक्षनाथ फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ व विभिन्न राज्यों व जिलों से पधारे समाजबंधु शामिल रहे ।

आज से नानी बाई का मायरा शुरू

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बारां । शहर की नगर पालिका कॉलोनी में स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर पर नानी बाई के मायरे का भव्य कथा वाचन बुधवार से 16 मई तक आयोजित किया जाएगा ।

आयोजन से जुड़ी सदस्य सोनिया अदलक्खा ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन हेतु सभी भक्तों से अधिकाधिक संख्या में पधार कर नानी बाई का मायरा श्रवण करने का आव्हान किया गया है। यह आयोजन राधा कृष्ण महिला मंडल द्वारा किया जा रहा है । उक्त आयोजन में दोपहर 1:00 से शाम 5:00 तक कथा वाचक बाल व्यास शिव वैष्णव महाराज रामद्वारा वाले मारवाड़ी भाषा में नानी बाई के मायरे का वाचन करेंगे ।

भविष्य की उड़ान योजना से प्रेरित होकर जीनापुर और बिलोपा विद्यालयों को जनसहयोग से मिलेगा विकास अनुदान

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

सवाई माधोपुर । जिले में शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ बनाने की दिशा में अभिनव पहल 'भविष्य की उड़ान' से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री जनसहभागिता विद्यालय विकास योजना के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जीनापुर को 4 लाख 10 हजार तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिलोपा को 2 लाख 25 हजार रुपए जनसहयोग एवं राज्य सरकार के अंशदान से प्राप्त होगा।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जीनापुर प्रधानाचार्य अनीता पूनिया द्वारा 1 लाख 64 हजार रुपये तथा राउमावि बिलोपा प्रधानाचार्य सुशीला राय द्वारा 90 हजार रुपये का चेक जिला कलक्टर शुभम चौधरी को मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा शर्मा एवं अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा दिनेश कुमार गुप्ता की उपस्थिति में सौंपा गया । एडीपीसी दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि जिले में भविष्य की उड़ान योजना के माध्यम से शिक्षा में नवाचार और संसाधन विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री जनसहभागिता विद्यालय विकास योजना से प्राप्त अंशदान का समन्वय करते हुए विद्यालयों की आधारभूत सुविधाओं में निरंतर सुधार किया जा रहा है।

विद्यालय विकास में रंग ला रहे सरकार और समाज के साझा प्रयास: कार्यक्रम अधिकारी समग्र शिक्षा हेमराज मीणा ने जानकारी दी कि विद्यालय जीनापुर से प्राप्त 1.64 लाख रुपये की जनसहयोग राशि पर राज्य सरकार द्वारा योजनामद में 60 प्रतिशत अंशदान के रूप में 2.46 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि सहित कुल 4.10 लाख रुपये विद्यालय विकास हेतु प्राप्त होंगे । इसी प्रकार, बिलोपा विद्यालय द्वारा जनसहयोग से एकत्र 90 हजार रुपये पर राज्य सरकार से 1.35 लाख रुपये का अंशदान प्राप्त हुआ है, जिससे कुल 2.25 लाख रुपये की राशि विद्यालय विकास हेतु स्वीकृत की गई है। प्राप्त राशि से विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति द्वारा बाउंड्री वाल निर्माण, कक्षा कक्षों की मरम्मत, कंप्यूटर लैब की स्थापना तथा विद्यालय सौंदर्यकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य करवाए जाएंगे। इन कार्यों से विद्यालयों की आधारभूत संरचना सशक्त होगी और छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा वातावरण प्राप्त होगा।

उन्होंने बताया कि शिक्षा में सुधार केवल सरकारी योजनाओं से ही नहीं, बल्कि जनसहयोग से भी संभव है। भविष्य की उड़ान जैसे नवाचार कार्यक्रम जिले में शिक्षा की दिशा और दशा दोनों बदलने की दिशा में एक मजबूत पहल है । इस दौरान जीनापुर विद्यालय से सुनीता त्रिवेदी, वाईस प्रिंसिपल मनराज मीना, व्याख्याता प्रमोद शर्मा उपस्थित रहे। बिलोपा विद्यालय से उप प्रधानाचार्य सरोज वर्मा, अध्यापक ओम प्रकाश मीना, असिस्टेंट प्रोफेसर दिनेश मीना, शैतान सिंह मीना, हरिसिंह मीना, विक्रम मीना एवं रामस्वरूप मीना भी उपस्थित रहे ।

सीबीएसई के परिणाम जारी, एवीएम कॉन्वेंट के विद्यार्थियों ने बढ़ाया विद्यालय का मान

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। सीबीएसई कक्षा 10वीं व 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित होते ही एवीएम कॉन्वेंट स्कूल में हर्ष और उल्लास का वातावरण छा गया। विद्यालय के होनहार विद्यार्थियों ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

विद्यालय प्रांगण में आयोजित विशेष कार्यक्रम में टॉप करने वाले विद्यार्थियों को माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। कक्षा 12वीं में विज्ञान वर्ग से अभिनव कौशल 94 प्रतिशत, अर्पित गोयल 93 प्रतिशत, रोहिल गर्ग 92 प्रतिशत, पल्लवी त्यागी 91 प्रतिशत, अपूर्वा त्रिपाठी 91 प्रतिशत, आदित्य श्रीवास्तव 90 प्रतिशत, पार्थ बंसल 89 प्रतिशत, अभय सिंह 87 प्रतिशत, पायल मीणा 87 प्रतिशत, सक्षम त्यागी 86 प्रतिशत, अर्पण गुप्ता 85 प्रतिशत, सलोनी परिहार 84 प्रतिशत, निमिष गोयल 83 प्रतिशत अनन्या राजपूत 81 प्रतिशत। कला वर्ग से वैष्णवी सक्सैना 94 प्रतिशत, अर्पित राजोरिया 91 प्रतिशत, शांतनु यादव 85 प्रतिशत, उत्कर्ष पाठक 83 प्रतिशत, विदित तिवारी 82 प्रतिशत, वाणिज्य वर्ग से मनजीत 92 प्रतिशत, रोहिणी जैन 88 प्रतिशत, श्रेया श्रीवास्तव 87, हर्ष मित्तल 85 प्रतिशत, लक्ष्य धधीचि 83 प्रतिशत प्रमुख रहे।

साथ ही कक्षा दसवीं में एवीएम कॉन्वेंट का परचम लहराने वाले विद्यार्थियों में अदिति अवस्थी 96 प्रतिशत, जिगिशा तिवारी, प्रिंस मित्तल, जतिन त्यागी 94 प्रतिशत, आर्यांश राय 93 प्रतिशत, शिव अग्रवाल, शशांक कुमार 92 प्रतिशत, अभि सेंगर, नमन गर्ग 91 प्रतिशत, जशनदीप कौर, साकेत 90 प्रतिशत रहे। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षाविद् वीके त्यागी ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही विद्यालय की प्राचार्य अनीता त्यागी ने सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा यह सफलता विद्यार्थियों की कठिन मेहनत, अभिभावकों के सहयोग और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों के साथ साक्षात्कार में सभी ने इस सफलता का श्रेय विद्यालय के अनुशासित वातावरण और शिक्षकों के परिश्रम को दिया।

यह अवसर न केवल विद्यार्थियों के लिए गर्व का क्षण रहा, बल्कि समस्त विद्यालय परिवार के लिए भी एक प्रेरणास्पद उपलब्धि सिद्ध हुआ।

एवीएम कॉन्वेंट स्कूल में गायत्री परिवार की ओर से दिव्य ज्योति कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। इस पावन अवसर पर विद्यालय परिसर में श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। कलश यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में आध्यात्मिक चेतना का संचार करना, नैतिक मूल्यों की स्थापना तथा सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना था। यात्रा की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार एवं पूजन विधि से हुई, जिसमें शिक्षाविद् वीके त्यागी, प्रेसिडेंट कुसुम त्यागी, प्रशासनिक अधिकारी प्रिया त्यागी, प्राचार्य अनीता त्यागी, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर शिक्षाविद् वीके त्यागी, एवं प्राचार्य अनीता त्यागी ने गायत्री परिवार के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं। उन्होंने सभी का हृदय की गहराइयों से आभार प्रकट किया और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की निरंतरता बनाए रखने की बात कही। कार्यक्रम का समापन सामूहिक प्रार्थना एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

» धौलपुर ... सीबीएसई परीक्षा में उत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं के साथ एवीएम स्कूल के निदेशक वीके त्यागी व अन्य

गायत्री परिवार द्वारा एवीएम कॉन्वेंट स्कूल में दिव्य ज्योति कलश यात्रा का स्वागत

» धौलपुर ... ज्योति कलश यात्रा का स्वागत करतीं महिलाएं

» धौलपुर ... प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित कर्मचारीगण

राजस्थान संपर्क पोर्टल 2.0 से जनसुनवाई के जरिये लोग संबंधित अधिकारियों से सीधे जुड़ सकेंगे- हरिराम मीणा

राजस्थान संपर्क पोर्टल 2.0 का हुआ प्रशिक्षण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। राजस्थान संपर्क पोर्टल 2.0 के मसौदे को लेकर वीसी के माध्यम से अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना की अध्यक्षता में समस्त जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारियों का संपर्क पोर्टल 2.0 पर दर्ज परिवादों के निस्तारण के लिए प्रशिक्षण का आयोजन हुआ। संपर्क पोर्टल 2.0 के जरिये आम लोगों को सोशल मीडिया के जरिये शिकायत करने का जल्द ही बड़ा जरिया दिया जा रहा है। इसके जरिये न केवल इस ओर कदम बढ़ाया गया है, बल्कि जनता का, जनता के लिए शासन की लोकतंत्र की परंपरा को मजबूत करने की कोशिश की जा रही है। संपर्क पोर्टल प्रो पीपल प्रो-एक्टिव गुड गवर्नेंस यानि जनता के लिए सक्रिय और प्रभावी शासन की सोच रखता है।

क्या है संपर्क 2.0 में

इसमें मोबाइल एप, एआई आधारित वॉइस बॉट, चैटबॉट, व्हाट्सएप, ई मित्र कियोस्क, ई मेल और एसएमएस के जरिये शिकायत दर्ज हो सकेगी। संपर्क 2.0 को अलग-अलग सेवाओं और योजनाओं की वेबसाइट और जनाधार व ई वॉलेट के साथ जोड़ा गया है। आम नागरिक सरकारी सेवाओं और योजनाओं के लिए संपर्क 2.0 से ही आवेदन कर सकेंगे। साथ ही, ई जनसुनवाई के जरिये लोग संबंधित अधिकारियों से सीधे जुड़ सकेंगे। इस अवसर पर सम्बन्धित जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

» धौलपुर ... विद्यालय का निरीक्षण करते सीबीईओ दामोदर लाल मीणा

शिक्षक एप्प से मौखिक पठन प्रवाह एवं विद्यार्थियों की हाजिरी पर भी विशेष ध्यान देवें - दामोदर लाल मीणा

सीबीईओ मीणा ने स्कूलों का किया आकस्मिक निरीक्षण

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। शिक्षा विभाग की मंशानुरूप गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने की राह में शिक्षा विभाग के प्रयासों को क्रियान्वित करने के लिए लगातार गहन मॉनिटरिंग की जा रही है। विद्यालय स्तर पर किये जा रहे कार्यों की धरातलीय स्थिति जानने के लिए मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दामोदर लाल मीना ने राउमा विद्यालय बरेठा चौकी महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय बरेठा व राबाउमा विद्यालय धौलपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मौखिक बरेठा चौकी व राजकीय महात्मा गांधी बरेठा में मौखिक पठन प्रवाह की स्थिति ठीक पायी गयी परंतु शिक्षक एप्प से विद्यार्थियों की समस्त कक्षाओं की शत प्रतिशत ऑनलाइन उपस्थिति किया जाना नहीं पाया गया और नहीं नव प्रवेशोत्सव अभियान के प्रथम चरण द्वारा आंगनवाड़ी एवं नव प्रवेशित विद्यार्थियों का विभागीय निर्देशानुसार स्वागत ,अभिनंदन करना पाया गया। राबाउमावि धौलपुर में भी अनामांकित एवं ड्रॉप आउट व आंगन बाड़ी नव प्रवेशित बालक बालिकाओं का स्वागत व अभिनंदन किया जाना नहीं पाया गया जिस पर फटकार लगाई। विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थित की स्थित भी संतोषजनक नहीं पाई गई। इस पर मीना द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई। समस्त विद्यालय स्टाफ की बैठक ली गयी व प्रत्येक कक्षाध्यापक व विषयाध्यापक से मौखिक बारी बारी से उनके द्वारा किये गए कार्यों की जानकारी ली गयी व बैठक में निर्देश प्रदान किये गए कि शिक्षक व प्रभारी निष्ठा पूर्वक अपने दायित्वों का पालन करें व प्रधानाचार्य नियमित रूप से विभागीय कार्यो की प्रगति की मॉनिटरिंग करें। विभागीय निर्देशों की पालना न करने पर विभागीय कार्यवाही अमल में लायी जाएगी। उन्होंने विद्यार्थियों के ओआरएफ की शत प्रतिशत प्रगति, प्रतिदिन ऑनलाइन उपस्थिति, नामांकन अभियान, समय पर परीक्षा परिणाम जारी करने, भौतिक सत्यापन कार्य एवं अन्य सह शैक्षिक गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु शिक्षकों से बातचीत की व योजनाओं की जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने आगे एक वर्ष में नामांकन बढ़ाने, प्रवेश उत्सव, गुणवत्ता शिक्षा पर चर्चा की। उन्होंने विभाग की योजनाओं की प्रगति, प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र पर बच्चों की संख्या एवं ड्रॉप आउट के बारे में जानकारी ली जिस पर संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि प्रवेशोत्सव के प्रथम चरण में डोर टू डोर सर्वे में चिन्हित ड्रॉप आउट ,अनामांकित बच्चों को संस्था प्रधान अनिवार्य रूप से प्रवेश दें व शिक्षक एप्प से मौखिक पठन प्रवाह एवं विद्यार्थियों की हाजिरी पर भी विशेष ध्यान देवें अन्यथा अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। किसी भी विद्यार्थी के लिए शैक्षणिक उन्नयन हेतु धारावाह प्रवाह के साथ हिंदी भाषा का पठन व समझ अत्यंत आवश्यक है क्यों कि हिन्दी भाषा का धारावाह पठन व समझ रखने वाले विद्यार्थियों को अपने हिंदी भाषा मुद्रित विषयों को पढ़ने व समझने में समस्या नहीं आती है। सरकारी विद्यालयों में प्रवेशित व अध्ययनरत विद्यार्थियों की हिंदी भाषा को धारावाह प्रवाह से पढ़ने के उद्देश्य से एक नवाचार के अंतर्गत शिक्षा विभाग के शानदार प्रयास के फलस्वरूप तहत बच्चे धारावाह प्रवाह से हिंदी पढ़ सके। शिक्षक एप्प के माध्यम से मैप्ड विषयाध्यापक विद्यार्थियों को अपने मोबाइल मौखिक पठन प्रवाह एप्प से पठन कराने शिक्षक एप्प के माध्यम से ही विद्यार्थियों की प्रति दिन ऑनलाइन हाजिरी दर्ज करने व डोर टू डोर डिजिटल एप्प सर्वे के माध्यम से चिन्हित ड्रॉप आउट व अनामांकित बच्चों व आंगनबाड़ी से समन्वय स्थापित कर बालक बालिकाओं के प्रवेश देने व नव प्रवेशित विद्यार्थियों का विद्यालय स्तर पर फूल माला व तिलक लगा कर स्वागत करने एवं अन्य इसका अखवार व सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार प्रसार करने के निर्देश प्राप्त हैं जिसकी पालना सुनिश्चित करें। उन्होंने राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय धौलपुर में लाईब्रेरी का निरीक्षण किया। पुस्तकालय प्रभारी व्याख्याता भगवान सिंह मीना ने बताया कि उन्होंने अपने स्तर से साफ सफाई कार्य करके जिले की बेस्ट लाइब्रेरी बनाने का उनका सपना है। मीना द्वारा लाइब्रेरी के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए महत्वपूर्ण सुझाव दिए ताकि अधिकाधिक विद्यार्थियों को पुस्तकालय का लाभ मिल सके। इस अवसर प्रधानाचार्य अर्चना मिश्रा सहित स्कूल स्टाफ के अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

» धौलपुर ... निजी अस्पतालों का निरीक्षण करते सीएमएचओ डॉ. मीणा

सीएमएचओ डॉ. मीणा ने किया निजी अस्पतालों का औचक निरीक्षण

मेट्रो और श्री ओम हॉस्पिटल में मिली अनेक कमियां

सुधार नहीं होने पर किया जायेगा सीज

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। जिले के सरकारी अस्पतालों के साथ साथ निजी अस्पतालों में भी मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो इसके लिए निजी अस्पतालों की नियमित जांच विभाग की टीमों द्वारा की जाती है। इसी क्रम में मंगलवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्म सिंह मीणा के नेतृत्व में विभागीय टीम ने जिला मुख्यालय स्थित शांति देवी मेमोरियल अस्पताल, मेट्रो हॉस्पिटल, श्री ओम अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पतालों में लापरवाही मिलने पर उन्होंने नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इस दौरान शांति देवी अस्पताल में मेडिकल स्टोर पर फार्मासिस्ट उपलब्ध नहीं था। मेट्रो हॉस्पिटल के निरीक्षण के दौरान फायर एनओसी एक्सपायर हो चुकी थी तथा कमर्शियल यूटिलाइजेशन का सर्टिफिकेट भी नहीं था। साथ ही बायो मेडिकल वेस्ट मैनजमेंट अनुबंध भी समाप्त हो चुका था। इस अस्पताल में एक मंजिल से दूसरी मंजिल पर मरीजों को जाने के लिए किसी भी प्रकार का कोई रैंप नहीं था, अस्पताल का भवन भी मरीजों के लिए दमघोटू था। इसी प्रकार श्री ओम हॉस्पिटल अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर के अंदर मिट्टी एवं गंदगी मिली। यहां भी मरीजों की सुविधा के लिए कोई रैम्प नहीं था फायर एनओसी भी नहीं थी। अस्पताल का माहौल मरीजों के स्वास्थ्य के अनुकूल नहीं था। निरीक्षण के दौरान अस्पतालो में क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट रजिस्ट्रेशन, पॉल्युशन बोर्ड कंसेंट, बायो मेडिकल वेस्ट का निस्तारण सहित अन्य पक्षों की भी जांच की। सीएमएचओ डॉ मीणा ने बताया के निरीक्षण किए गए सभी संस्थाओं में पाई गई कमियों को लेकर अस्पतालों को नोटिस जारी किया गया है। तीन दिन में उचित जवाब नहीं मिलने की स्थिति में अस्पताल सीज करने की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराना विभाग की पहली प्राथमिकता है इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाएगी। समाचार लिखे जाने तक अस्पतालों की जांच जारी थी। निरीक्षण के दौरान टीम में डॉ. विवेक शुक्ला, एपिडेमियोलॉजिस्ट अखिलेश गर्ग, डीपीसी पीसीपीएनडीटी पंकज शुक्ला सहित अन्य मौजूद रहे।

उधारी के पैसों को लेकर मजदूर और ठेकेदार में हुए झगड़े में घायल मजदूर की मौत

12 दिन चला घायल का जयपुर में उपचार, दोनों पैर काटे फिर भी नहीं बची जान

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। शहर के कीड़ी मोहल्ला निवासी एक मजदूर युवक की जयपुर में उपचार के दौरान मौत हुई है। मृतक मजदूर का एक मई को अपने ठेकेदार से पैसों के विवाद को लेकर झगड़ा हुआ था। जिसमें उसको आरोपी ठेकेदार और तीन अन्य लोग घर से बुलाकर ले गए और लाठी-सरियों से बुरी तरह मारपीट की। इस दौरान जब मजदूर घर नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता हुई। तलाशने करने पर वह रेलवे पटरी धनोरा रोड़ पर वेसुध अवस्था में मिला। इसको तुरंत परिजन बाड़ी अस्पताल ले जहां से धौलपुर से जयपुर ले जाया गया।

घटना को लेकर 31 वर्षीय मृतक अविनाश पुत्र शिवसिंह जाटव निवासी कीड़ी मोहल्ला की मां ओमवती पत्नी शिवसिंह ने बताया कि उसका बेटा टाइल्स और अन्य पत्थर काम की मजदूरी करता है। शहर की कृष्णा कॉलोनी संत नगर रोड निवासी सुनील पुत्र रामस्वरूप जाटव उसको अपने साथ काम पर ले जाता है। पत्थर के काम को लेकर उसके बेटे अविनाश ने सुनील से दो महीने पहले 12 हजार रुपये उधार लिए थे। बाद में काम नहीं हुआ तो सुनील अपने पैसों को अविनाश से मांग रहा था। जिसकी अविनाश ने कुछ दिन में देने की भी कहा था लेकिन व्यवस्था नहीं हो सकी तो एक मई को सुनील गुस्से में आया। जिसके साथ तीन अन्य लोग भी थे। जो काम के बहाने से अविनाश को घर से ले गए।

मृतक की मां ओमवती का आरोप है कि जयपुर में उपचार के दौरान जब अविनाश को होश आया तो उसने बताया कि सुनील और तीन अन्य लोगों ने उसकी लाठी-सरियों से बुरी तरह से मारपीट की है। उपचार के दौरान अविनाश की हालत बिगड़ने पर चिकित्सकों ने अविनाश के दोनों पैर भी काट दिए लेकिन फिर भी उसकी जान नहीं बच सकी।

बेरोजगार युवाओं को सुरक्षा गार्ड, सुरक्षा सुपरवाइजर एवं सुरक्षा अधिकारी के पद पर भर्ती का सुनहरा अवसर

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। भारतीय सुरक्षा परिषद एवं जिला रोजगार कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में भारत सरकार पसारा एक्ट के तहत ग्रामीण एवं शहरी शिक्षित बेरोजगार युवाओं को सुरक्षा गार्ड, सुरक्षा सुपरवाइजर एवं सुरक्षा अधिकारी के पद पर भर्ती के लिए 16 मई से 23 मई तक परीक्षा कार्यक्रम आयोजन कैंपस प्लेसमेंट शिविर में अभ्यार्थियों की भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि तहसील राजाखेड़ा का 16 मई, बसेड़ी का 17 मई, सरमथुरा का 18 मई, सैपऊ का 19 मई, बाड़ी का 20 मई, धौलपुर का 21 मई तथा धौलपुर व समस्त जिलों के अभ्यर्थी का 22 एवं 23 मई को प्रातः 11 बजे से सायं 3 बजे तक जिला रोजगार कार्यालय परिसर बस स्टैण्ड के पास धौलपुर में भर्ती परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ भर्ती अधिकारी एसआईएस रीजनल ट्रेनिंग एकेडमी नीमच महिपाल सिंह द्वारा भर्ती स्थल पर उपस्थित रहकर सुरक्षा गार्ड, सुपरवाइजर, अधिकारी पदों के लिए भर्ती कार्यक्रमानुसार की जाएगी तथा भर्ती स्थल पर ही रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भर्ती के अभ्यर्थी 10वीं पास, ऊचाई 170 सेमी से 168 सेमी, वजन 55 से 90 किलो, सीना 80 से 85 सेमी. तथा आयु 19 से 40 वर्ष होनी चाहिए। इसके साथ ही शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि चयनित अभ्यार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरान्त 65 वर्ष की आयु तक स्थायी रोजगार प्रदान किया जाएगा। एसआईएस रीजनल ट्रेनिंग एकेडमी नीमच के द्वारा भारत सरकार के ऐतिहासिक स्मारकों, प्रतिष्ठानों, उद्योग संस्थानों, मल्टीनेशनल क्षेत्र हवाई अड्डा, बन्दरगाह, बैंक सेक्टर, मल्टीनेशनल इकाईयो आदि में रोजगार प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले के इच्छुक बेरोजगार आशार्थी अपने मूल दस्तावेजों की 2 प्रतिलिपियों एवं 2 फोटो व पैन के साथ कार्यक्रमानुसार तिथियों पर जिला रोजगार कार्यालय में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाएं।

पॉलिथीन के खिलाफ कार्रवाई में दो घंटे में करीब एक क्विंटल पॉलीथिन जप्त

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

बाड़ी। जिला कलेक्टर श्रीनीधि बीटी के निर्देश पर मंगलवार को उपखंड अधिकारी भगवत शरण त्यागी के सुपरविजन में नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी श्याम बिहारी गोयल के नेतृत्व में सिंगल यूज़ प्लास्टिक को लेकर दुकानदारों के यहां कार्यवाही की गई जिसमे करीब एक क्विंटल पॉलीथिन उत्पादों को जप्त किया गया है। इस कार्यवाही के दौरान शहर के बाजार में हड़कंप मचा हुआ है।

नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी श्याम बिहारी गोयल ने बताया की सरकार के निर्देश पर प्लास्टिक की डंडी वाले ईयर बड, गुब्बारों के लिए प्लास्टिक छड़ियां, प्लास्टिक के झंडे, कैडी स्टिक, आइसक्रीम स्टिक, सजावट के लिए पॉलीस्टाइरीन, (थर्माकोल), प्लास्टिक की प्लेट, कप, गिलास, कटलरी जैसे कांटे, चम्मच, चाकू, स्ट्रा, ट्रे, मिठाई के डिब्बे चारों ओर

लपेटने या पैकिंग फिल्म,100 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक, पीवीसी बैनर, सिगरेट पैकेट की फिल्म, निमंत्रण कार्ड का निर्माण विक्रय उपयोग आदि 1 जुलाई 2022 से पूर्णतः प्रतिबंधित है। ऐसे में नगर पालिका प्रशासन द्वारा मंगलवार को शहर के सीताराम बाजार से अभिषेक अग्रवाल, हरिओम, मुरारीलाल, अंकुश बालाजी जूस सेंटर, पवन वैश्य, रमन मदरसा चौराहा से अतुल, विजय गर्ग,मुकेश,पुरानी पंजाब बैंक के सामने से अशरफ का जूस सेंटर, गंगा प्रसाद, अग्रसेन मार्केट से विशम्भर दयाल बीडीएम बेसन वाले, हरेश चंद्र, राकेश कुमार मंगल, ऋषभ गर्ग सहित कई दुकानदारों के यहां कार्यवाही कर टीम ने करीब एक क्विंटल प्लास्टिक कैरी बैग, गिलास, जप्त किये गये तथा 2200 रुपए का जुर्माना किया गया है। अधिशाषी अधिकारी श्याम बिहारी गोयल ने बताया कि यह कार्यवाही आगामी दिनों में भी जारी रहेगी। इस दौरान सफाई प्रभारी यादवेंद्र सिंह तोमर,मांगीलाल गर्ग,जोगेन्दर मीणा,कल्याण सिंह यादव,तपेश बिधूड़ी, शिवशंकर पचोरी, मनु बिधूड़ी, धर्मेन्द्र शिवहरे, सुमित तिवारी, गोविंद यादव, रामकुमार कोली, पुनीत कपरेला, अंकित कुमार, सौरभ बागड़ी, इरशाद, अनिल गर्ग, टीटू जमादार, साहब सिंह, पप्पू, मुकेश, केशव ड्राइवर, राजकुमार सहित अन्य कार्मिक मौजूद रहे।

विद्यालय से कीमती इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

धौलपुर। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सडकोली से चोर ने एक 65 इंच एलइडी टीवी, दो प्रिंटर, एक कंप्यूटर, व दो स्पीकर सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए। जिसकी शिकायत मनियां थाना में संस्था प्रधान देवेंद्र सिंह गुर्जर द्वारा दर्ज करा दी गई है। सूचना पर मनियां थानाधिकारी रामनरेश मीणा पुलिस जाब्ते के साथ तथा समस्त ग्रामवासी विद्यालय पहुंचे। पुलिस द्वारा मौके से साक्ष्य जुटाए गए तथा ग्राम वासियों द्वारा आपस में आम सहमति बनाकर पुलिस के साथ तलाशी अभियान चलाया गया। जिसमें अभी तक किसी सामान की बरामदगी नहीं हो पाई है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल प्रद्युम्न सिंह जादौन को दी गई है। इस मौके पर विद्यालय स्टाफ सत्यपाल सिंह परमार, नीरज गोयल, राजू कुशवाह, वेद प्रकाश कुशवाह, विष्णुप्रिया, पूनम त्यागी, पुष्पा राजावत आदि उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक - चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए आकाशदीप प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स, सेक्टर 11 अग्रवाल फार्म, जयपुर (राज.) राजस्थान से मुद्रित एवं जी-१, गंगासागर अपार्टमेंट, बी-192, गंगासागर कॉलोनी, आम्रपाली मेन रोड, वैशाली नगर जयपुर (राज.) से प्रकाशित आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2013/48948
प्रधान सम्पादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे मोबा. 9425126060 । स्थानीय संपादक गौतम गोस्वामी मोबा. 9772455444, प्रबंध संपादक बेनी प्रकाश खोरानिया मोबा. 9549977995 : पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए स्थानीय सम्पादक जिम्मेवार। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर न्यायालय होगा।